NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 59 लखनऊ, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

भारत का नाम जप रहे बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका से लगने लगा डर कारण भी बताया

दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भारत के अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों की बात करते रहे हैं।इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आशंका जताई है कि अमेरिका का भावी राष्ट्रपति इजरायल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना सकता है। इसके मद्देनजर उन्होंने अपने देश की स्थिति मजबूत करने के लिए भारत और लातिन अमेरिकी देशों सहित अन्य देशों के साथ नए गठबंधन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। नेतन्याहू ने इजरायल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से नौ दिन पहले रविवार को एक कार्यक्रम में अपनी सुरक्षा नीति पेश करते हुए यह टिप्पणी की।उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से उन्हें खुला समर्थन दिए जाने से कुछ घंटे पहले आई। ट्रंप ने इजरायल में मतदान से कुछ दिन पहले नेतन्याहू को दोबारा प्रधानमंत्री बनने की कोशिश का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया। नेतन्याहू ने कहा, श्दो साल में कोई ऐसा राष्ट्रपति (अमेरिका में) सत्ता में आ सकता है, चाहे वह पुरुष हो या महिला, जो इजरायल के प्रति बेहद शत्रुतापूर्ण रवैया रखता हो। कैसे



हल निकालेंगे नेतन्याहू उन्होंने सवाल किया, आप ऐसी स्थिति से कैसे निपटेंगे? आप अमेरिका के साथ अपने संबंधों को किस तरह संभालेंगे? और इसके अलावा, किन समाधानों की जरूरत होगी?श इजरायली प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के कार्यकाल के बचे हुए वर्षों का इस्तेमाल इजरायल को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साथ ही अमेरिका की नीति में संभावित बड़े बदलाव के लिए भी तैयार रहना चाहिए।उन्होंने कहा, श्पहली बात यह है कि हमें अगले दो वर्षों के दौरान और उसके बाद के दो वर्षों में भी अमेरिका के साथ हरसंभव प्रयास करना चाहिए।श नेतन्याहू ने कहा, श्दूसरी बात यह है कि हमें दूसरे गठबंधन बनाने चाहिए। मैं अभी अपने क्षेत्र और इसके बाहर के कई देशों के साथ इसी दिशा में काम कर रहा हूं। भारत कोई छोटा देश नहीं है। और अन्य कई देश भी हैं।श उन्होंने लातिन अमेरिका में राजनीतिक घटनाक्रम को इजरायल के सहयोगी देशों का दायरा बढ़ाने के एक अन्य अवसर के रूप में पेश किया।

क्या है प्लान – नेतन्याहू ने कहा, श्लातिन अमेरिका में बड़ा बदलाव हो रहा है और कुछ ही दिनों में ब्राजील में भी बहुत बड़ा बदलाव हो सकता है। हमें अपने गठबंधनों का दायरा बढ़ाना चाहिए और ऐसी क्षमताएं विकसित करनी चाहिए, जिससे हम सभी के लिए उपयोगी बन सकें। नेतन्याहू अक्सर भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपने संबंधों का उल्लेख करते रहे हैं। इसके जरिए वह यह बताने की कोशिश करते हैं कि इजरायल वैश्विक स्तर पर अलग–थलग नहीं है और उनकी सरकार ने कूटनीतिक मोर्चे पर सफलता हासिल की है।भारत का करते रहे हैं जिक्र लंबे समय से जारी युद्ध के बीच इजरायल की स्वीकार्यता पर उठ रहे सवालों और गठबंधन मजबूत करने की जरूरत के संदर्भ में नेतन्याहू ने इस साल मई में एक चर्चित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत जैसी श्बड़ी ताकतश के साथ इजरायल के श्विशिष्ट संबंधश हैं और भारत में इजरायल के लिए जबरदस्त प्यार है। इजरायल के कई विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और समर्थकों में इजरायल के प्रति बढ़ती उदासीनता की वजह नेतन्याहू द्वारा लिए गए कई गलत फैसले हैं।मजबूत नेता की छविविश्लेषकों के अनुसार, डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और जो बाइडेन के साथ नेतन्याहू के संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। हालांकि नेतन्याहू ने इन मतभेदों को अपने समर्थकों के सामने एक मजबूत नेता के साहस के रूप में पेश किया, जो इजरायल के हितों की रक्षा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपतियों के सामने भी अपनी बात रखने से नहीं हिचकता।उनके मुताबिक, यह रणनीति नेतन्याहू के चुनाव अभियानों का एक प्रमुख आधार रही है और उन्हें चुनावी सफलता दिलाने में भी मददगार साबित हुई है।

यूपी में त्योहारों पर नहीं कटेगी बिजली, गांव-शहर में होगी समान आपूर्ति, सीएम योगी का सख्त निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दीपावली, छठ समेत आगामी त्योहारों पर प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में दशहरा के अवसर पर गांव से लेकर शहर तक रोशनी से जगमग रहेंगे। जनपद, तहसील और ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए गए है।सरकार की मंशा है कि त्योहारों के दौरान प्रदेशभर में बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहे। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की टीमें पांचों डिस्कॉम क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी हैं। बिजली लाइनों और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के साथ ट्रिपिंग रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।।व से शहर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति की तैयारी यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक नीतीश कुमार ने बताया कि गांव से लेकर शहर, नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी है। त्योहारों के दौरान सुरक्षित और सुचारु बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभागीय टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी।वहीं पूर्वांचल, मध्यांचल, पश्चिमांचल और दक्षिणांचल सहित सभी डिस्कॉम क्षेत्रों में विभागीय टीमें नियमित मेंटेनेंस कार्य कर रही हैं। विद्युत लाइनों के संपर्क में आ रही पेड़ों की शाखाओं की कटाई–छंटाई कराई जा रही है, ताकि त्योहार के दौरान बिजली आपूर्ति में बाधा और ट्रिपिंग की समस्या को कम किया जा सके।मांग के अनुरूप बिजली उपलब्ध कराने की तैयारीप्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप आपूर्ति बनाए रखने के लिए यूपीपीसीएल लगातार निगरानी कर रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 18 अक्टूबर को प्रदेश में 22,540 मेगावाट बिजली की मांग के सापेक्ष आपूर्ति की गई। इससे पहले 17 अक्टूबर को 23,738 मेगावाट और 16 अक्टूबर को 23,372 मेगावाट बिजली की मांग पूरी की गई थी। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, मांग के अनुरूप आपूर्ति के मामले में उत्तर प्रदेश तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से काफी आगे रहा है।यूपी में गांव से लेकर शहरों तक निर्धारित कार्य तेज पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों में बिजली विभाग की टीमें



रोस्टर से अधिक बिजली आपूर्ति की जा रही है। योगी सरकार की ओर से त्योहारों के दौरान बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की निगरानी के साथ विद्युत लाइनों तथा अन्य उपकरणों के रखरखाव को प्राथमिकता दी जा रही है। पांचों डिस्कॉम क्षेत्रों में मेंटेनेंस लगातार काम कर रही हैं। मध्यांचल में विद्युत बुनियादी ढांचे के रखरखाव पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पश्चिमांचल और दक्षिणांचल में भी लाइनों और संबंधित उपकरणों की देखरेख का कार्य जारी है। विभागीय टीमें स्थानीय स्तर पर बिजली व्यवस्था की स्थिति पर नजर रख रही हैं ताकि उपभोक्ताओं को त्योहार के दौरान परेशानी का सामना न करना पड़े।

अहमदाबाद ब्लास्ट केस सुप्रीम कोर्ट ने दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी पर लगाई रोक

एजेंसी। दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2008 के सिलसिलेवार धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के दोषी मोहम्मद तनवीर की मृत्युदंड की सजा पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने गुजरात उच्च न्यायालय और निचली अदालत से मूल रिकॉर्ड तलब किए हैं। गुजरात सरकार और जेल अधीक्षक को आठ सप्ताह के भीतर तनवीर के आचरण व रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। उच्चतम न्यायालय



ने वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में संलिप्तताा के लिए दोषी ठहराए गए इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य को सुनाई गई मौत की सजा पर रोक लगा दी है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दोषी मोहम्मद तनवीर की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई।तनवीर ने गुजरात उच्च न्यायालय के सात जुलाई के फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने सात जुलाई को सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। उच्च न्यायालय ने सजा बरकरार रखने के प्रमुख कारणों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत, साजिश की व्यापकता और बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने के इरादे का उल्लेख किया था।अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे। इनमें 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उच्चतम न्यायालय ने नौ अक्टूबर के अपने आदेश में कहा, ''अपीलकर्ता (तनवीर) को सुनाई गई मौत की सजा पर रोक रहेगी।'' न्यायालय ने निचली अदालत और उच्च न्यायालय से मामले के मूल रिकॉर्ड मंगाने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने गुजरात सरकार को आठ सप्ताह के भीतर तनवीर से संबंधित सभी परिवीक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट पेश करने को कहा। उसने संबंधित जेल अधीक्षक को भी आठ सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया, जिसमें जेल में तनवीर द्वारा किए गए काम की प्रकृति तथा उसके आचरण और व्यवहार का ब्योरा हो। मामले की अगली सुनवाई 12 सप्ताह बाद होगी।



संविधान दिवस 26 नवंबर को आएगा समाजवादी पार्टी का ‘जन-मन का मैनिफेस्टो’

लखनऊ समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव की तैयारी के क्रम में अगला कदम भी तय कर लिया है। पार्टी 26 नवंबर को संविधान दिवस पर अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी सार्वजनिक की।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि वो 26 नवंबर 2026 संविधान दिवस पर पार्टी का घोषणा पत्र जारी करेंगे। समाजवादी पार्टी इसे जन–मन का मैनिफेस्टो बता रही है। सपा ने इस पीडीए का प्रणपत्र नाम दिया है। उन्होंने कहा कि ये जन–मन का मैनिफेस्टो होगा, जिसमें हर वर्ग का ध्यान रखा जाएगा।सपा इस बार अपना घोषणापत्र चुनाव की घोषणा से बहुत पहले ही लाने की तैयारी कर रही है, ताकि इसे जन–जन तक पहुंचाया जा सके। ऐसे में अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी है सपा इसमें किन बातों पर फोकस करेगी।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट से इसकी जानकारी दी है। अखिलेश यादव ने लिखा कि सत्ताइस का संकल्प, पीडीए का प्रणपत्र.. संविधान दिवस 26 नवंबर 2026 के लोकतांत्रिक पावन अवसर पर हम जारी करेंगे– जन–मन का मैनिफेस्टो सपा मुखिया ने इसके साथ हैशटैग पीडीए मैनिफेस्टों 2027 भी लिखा है।अखिलेश यादव ने किया ऐलानअखिलेश यादव की इस पोस्ट से साफ है कि सपा की निगाह आगामी चुनाव में पीडीए फॉर्मूले पर है। पार्टी मैनिफेस्टों में भी पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक पर खास फोकस कर सकती हैं। इसके साथ ही इस घोषणा पत्र को लेकर संविधान दिवस का दिन तय किया गया है। इससे भी जाहिर है कि सपा संविधान के मुद्दे को लेकर भी आगे चल सकती है।

घोषणा पत्र वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इसको च्च। (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के मुद्दों और आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर बनाया गया है, जिसे पार्टी श्सत्ताइस का संकल्पश बता रही है। इस घोषणापत्र के जरिए संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए समाज के हर वर्ग की आवाज को प्रमुखता दी जाएगी। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। जिसके लिए सभी राजनीतिक दलों की ओर से तैयारी तेज हो गई है। भाजपा अपने सभी सहयोगी दलों के साथ एकजुट नजर आ रही है तो वहीं सपा–कांग्रेस में अभी तक सीटों को लेकर फैसला नहीं हो पाया है।

अपहरण कर 13 लाख रुपये और जेवरात की फिरौती वसूलने वाले दो इनामी गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। कृष्णानगर पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम ने अपहरण कर फिरौती वसूलने के मामले में फरार चल रहे 25–25 हजार रुपये के दो इनामी आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक लाख 34 हजार 500 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पंकज भूषण कुमार और नवनीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।पुलिस के मुताबिक, आलमबाग क्षेत्र के साकेत अपार्टमेंट निवासी सुदर्शन घोष ने 13 सितंबर 2026 को कृष्णानगर थाने में अपहरण कर फिरौती वसूलने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान छह आरोपितों को 20 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। अन्य फरार आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमें जुटी थीं। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने सोमवार, 19 अक्टूबर को दोनों इनामी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि आरोपितों का एक संगठित गिरोह है, जिसमें अलग–अलग राज्यों के अपराधी शामिल हैं। गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से संपन्न लोगों की पहचान कर उनकी गतिविधियों की रेकी करते थे और फिर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस के मुताबिक, नवनीत सिंह पहले प्राचीन वस्तुओं के कारोबार से जुड़ा था और सुदर्शन घोष को जानता था। उसने गिरोह के अन्य सदस्यों को सुदर्शन के कारोबार और कथित तौर पर उसके पास मौजूद ६ान–संपत्ति की जानकारी दी थी।पुलिस के मुताबिक, 12 सितंबर को आरोपितों ने सुदर्शन घोष को उनके कार्यालय के पास से कथित तौर पर पुलिस अधिकारी बनकर और फर्जी पहचान पत्र दिखाकर अपनी गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद उन्हें डराया–६ामकाया गया और उनकी पत्नी से फोन कराकर फिरौती की मांग की गई। आरोपितों ने रुपये नहीं देने पर जान–माल की धमकी भी दी। पुलिस के अनुसार, बाद में सुदर्शन के चालक के माध्यम से 13 लाख रुपये नकद और सोने–चांदी के आभूषण मिलने पर उन्हें शहीद पथ के पास छोड़ दिया गया था।पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद गिरोह के सदस्य अलग–अलग राज्यों में चले गए थे। घटना में इस्तेमाल वाहनों पर कथित तौर पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई जाती थी, ताकि उनकी पहचान न हो सके। फिरौती में मिली नकदी और आभूषणों को गिरोह के सदस्यों ने आपस में बांट लिया था। कुछ रकम खर्च भी कर दी गई थी। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद पंकज और नवनीत भी पुलिस से बचने के लिए ठिकाने बदलते रहे। बाद में वे दोबारा लखनऊ लौट आए थे और कथित तौर पर अगली वारदात की फिराक में थे।गिरफ्तार पंकज भूषण कुमार की उम्र करीब 47 वर्ष है। वह मूल रूप से बिहार के नालंदा जिले का निवासी है और वर्तमान में तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में रहता था।

दूसरा आरोपित नवनीत सिंह करीब 32 वर्ष का है और लखनऊ के सरोजनीनगर क्षेत्र की मानसरोवर योजना स्थित न्यू बेहसा का निवासी है।

बैठक में उठाया बाई का बाग दुर्गा पूजा की सुरक्षा का मुद्दा

प्रयागराज। जिला पंचायत भवन में आयोजित दशहरा दुर्गा पूजा के सकुशल संपादन के लिए बैठक में पुलिस कमिश्नर पीयूष मोडिया, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर पुलिस डीसीपी अजय, सिटी मजिस्ट्रेट, एडीएम सिटी समस्त सर्किल एसीपी,थानाध्यक्ष पीस कमेटी के अध्यक्ष चांद मिया ,रघुनाथ द्विवेदी, जिला अपराध निरोधक कमेटी के अध्यक्षसंतोष श्रीवास्तव, सिविल डिफेंस से रौनक गुप्ता, दुर्गा पूजा बारवारी के अध्यक्ष सचिव, पार्षद गण, व्यापारी संगठनों, राम दल के पदाधिकारी,की उपस्थिति में दुर्गा पूजा का प्रतिनिधित्व करते हुए समस्याओं यातायात पुलिस प्रशासन को अवगत कराया। इसके तत्काल निवारण ही मांग की ताकि कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल मं हुई अनहोनी, दर्दनाक घटना प्रयागराज में कहीं पर भी न हो, उसके लिए पूरी तैयारी, अलर्ट, सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, निकास द्वार, प्रवेश द्वार ,अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था का पुनर्वालोकन करके प्रशासन और कमेटीयों के सामंजस्य से सुदृढ़ करने पर विचार विमर्श मार्गदर्शन,सलाह का आदान प्रदान किया गया। बाई का बाग दुर्गा पूजाके जनसंपर्क अधिकारी लालू मित्तल ने अधिकारियोंसे बैठक में यातायात पुलिस, पर्याप्त संख्या में पुलिस के महिला और पुरुष जवान के डिप्लॉयमेंट की मांग की और बताया कि बाई का वाग क्षेत्र में 50 उ की दूरी पर दो दुर्गा पूजा इ रामबाग बारवारी और नेता नगर दुर्गा पूजा कमेटी होने के कारण भीड़ का दबाव अत्यधिक रहता है। हमारे पूजा पंडाल से लगातार यह एनाउंसमेंट घोषणा की जाती है कि प्रवेश द्वार से प्रवेश करें और निकास द्वार से निकले, एक जगह पर खड़े न रहे , चलते फिरते रहे रहे। फिर भी खाकी वर्दी का एक अपना रौब होता है जिसका विकल्प हमारे वॉलंटियर या निजी सुरक्षा गार्ड नहीं हो सकते।पुलिस ये कहने पर आम जनता उसको कानूनी रूप से अनुसरण करती है।

विधान परिषद व विधानसभा चुनाव में सपा होगी चारों खाने चित्त- केशव

प्रयागराज। रविवार को प्रयागराज प्रवास पर आये डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि 2026 के विधान परिषद व 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा चारों खाने चित्त होगी। उन्होंने कहा कि इन दोनों चुनावों के परिणामों में हारने के बाद सपा बहादुर अखिलेश यादव द्वारा आरोपों का दौर शुरू होगा कि ईवीएम खराब था। भाजपा ने शासन प्रशासन का दुरुपयोग किया आदि आदि और दोष देंगे बुराई करेंगे। लेकिन अखिलेश यादव यह जान लें कि अब प्रदेश में सपा की गुंडागर्दी माफियागिरी वापस नहीं आने वाली। डिप्टी सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 2027 तक ही नहीं 20247 तक प्रदेश व देश की सरकार में रहेगी और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगी।

बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल में हुए हादसे पर विपक्ष द्वारा सवाल उठाये जाने के प्रश्न पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुखद हादसा है। पीड़ित लोगों के साथ पूरे उत्तर प्रदेश की संवेदना है। घटना के बाद हताहत लोगों के परिजनों को ढांढस बंधाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह भी रविवार को पश्चिम बंगाल पहुंचे हैं। इससे पहले वहां के मुख्यमंत्री पहुंच चुके हैं। विपक्ष को ऐसी घटनाओं पर गन्दी राजनीति करता है। लखनऊ में माफिया अतीक अहमद के रावण के रूप में पोस्टर लगने व विपक्ष द्वारा भाजपा पर पोस्टर लगाए जाने के आरोप के जवाब में डिप्टी सीएम ने कहा कि अतीक अहमद जैसे अपराधी माफिया का पोस्टर लगाने की भाजपा को कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि अतीक अहमद अल्ला को प्यारे हो गये हैं। इससे पहले बमरौली एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने डिप्टी सीएम का स्वागत अभिनंदन किया। काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, एमएलसी अनूप गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, आनंद सोनकर, कुंज बिहारी मिश्रा, राजेंद्र मिश्र, अनुज कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, सुबोध सिंह, वरुण केसरवानी, विवेक मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, राजेश गोंड आदि उपस्थित रहे।

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया कन्या पूजन, नौ दुर्गा स्वरूपा बालिकाओं के पांव पखारकर लिया आशीर्वाद

गोरखपुर,लखनऊ । मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की महानवमी पर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत कन्या पूजन किया। इस दौरान उन्होंने नौ कन्याओं को मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के रूप में पूजते हुए उनके पांव पखारे, तिलक लगाया, चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। इसके बाद कन्याओं को अपने हाथों से भोजन कराया तथा दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा के अनुसार बटुक पूजन भी किया।गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्या पूजन का अनुष्ठान संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने पीतल के परात में जल लेकर नौ नन्हीं बालिकाओं के बारी–बारी से पांव धोए। श्रीदुर्गासप्तशती के मंत्रों के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत का तिलक लगाया। पुष्प और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ के ज्वारे से पूजन किया। इसके बाद बालिकाओं को माला पहनाकर चुनरी ओढ़ाई और उपहार व दक्षिणा प्रदान कर उनका आशीर्वाद लिया।पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर की रसोई में तैयार भोजन प्रसाद कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अलावा पूजन के लिए पहुंची अन्य बालिकाओं और बटुकों की भी आरती उतारी गई। अन्न क्षेत्र के प्रथम तल और भूतल पर कन्या भोज की व्यवस्था की गई थी। सभी कन्याओं और बटुकों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराने के बाद उपहार और दक्षिणा दी गई।कन्या पूजन के दौरान बालिकाओं और बटुकों में मुख्यमंत्री



से स्नेह और आशीर्वाद पाने को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया। योगी आदित्यनाथ ने आत्मीयता के साथ बच्चों का पूजन किया और उन्हें अपने हाथों से भोजन परोसा। इस दौरान वह बच्चों से संवाद भी करते रहे और उनकी थालियों में प्रसाद की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करने के लिए मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देश देते रहे।कन्या पूजन से पहले मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि–विधान से आराधना की। कन्या पूजन अनुष्ठान के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास सहित अनेक साधु–संत उपस्थित रहे।

ब्याज माफी योजना 2026 का भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने किया स्वागत

प्रयागराज। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, प्रयागराज की एक महत्वपूर्ण बैठक महानगर अध्यक्ष योगेश गोयल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजनादृ2026 का स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के व्यापारियों को पुराने कर विवादों और बकायों से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। बैठक में योजना के साथ–साथ जीएसटी व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी एवं व्यापारियों के हित में बनाने के लिए आवश्यक सुधारों पर भी चर्चा की गई।महानगर अध्यक्ष योगेश गोयल ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पुराने मूल्य संवर्धित कर, केंद्रीय बिक्री कर एवं अन्य निर्दिष्ट पुराने कर कानूनों के तहत पात्र बकायों पर ब्याज और अर्थदण्ड में राहत का प्रावधान किया गया है। योजना के अनुसार 10 लाख तक के बकाये पर 100 प्रतिशत, 10 लाख से 1 करोड़ तक के बकाये पर 90 प्रतिशत, 1 करोड़ से ६5 करोड़ तक के बकाये पर 75 प्रतिशत तथा ६5 करोड़ से अधिक के बकाये पर 50 प्रतिशत ब्याज माफी का प्रावधान है। पात्र मामलों में बकाया राशि जमा न करने के कारण लगाए गए अर्थदण्ड पर भी 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जीएसटी व्यवस्था में सुधार के संबंध में दो महत्वपूर्ण मांगें भी उठाई गईं।वरिष्ठ महामंत्री नवीन अग्रवाल ने सभी व्यापारी भाइयों से अपील की कि वे उत्तर प्रदेश ब्याज माफी योजनादृ2026 की पात्रता एवं शर्तों की जानकारी लेकर निर्धारित समय सीमा के भीतर इसका लाभ उठाएं। बैठक में योगेश गोयल, नवीन अग्रवाल, पवन गुप्ता, अनूप श्रीवास्तव, श्रीमती प्रियंका पराशर, अरविंद कुमार, आकाश कुमार, संदीप कुमार, दीपक केसरवानी, मनीष केसरवानी, अवनीश श्रीवास्तव एवं नितेश कुमार सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

काकोरी में जानलेवा हमले के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, वारदात में इस्तेमाल तीन स्टंप बरामद

लखनऊ (आरएनएस)। काकोरी क्षेत्र में कारोबारी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तरुण कश्यप (19), ललित (20) और विष्णु (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए तीन स्टंप बरामद किए हैं। तीनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है।पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर 2026 को किला मैदान, काकोरी निवासी मो. इमरान मंसूरी अपनी क्रेटा कार से घर से दुबग्गा स्थित कार्यालय जा रहे थे। इसी दौरान गोला कुआं वाली सड़क पर पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात हमलावर ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में इमरान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनकी शिकायत के आधार पर काकोरी थाने में आमिर, सुब्रत उर्फ आकाश यादव, सलमान, उबैद और अन्य अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो टीमें गठित कर जांच शुरू की। पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम की मदद से घटनास्थल के आसपास की जानकारी, चश्मदीदों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तरुण कश्यप, ललित और विष्णु के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर तीनों को वलीनगर पुलिया के पास से रात करीब 10रू10 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की निशानदेही पर हमले में इस्तेमाल तीन स्टंप बरामद हुए। पीड़ित से आरोपियों की पहचान भी कराई गई।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार ललित के खिलाफ आशियाना, पारा, काकोरी और मलिहाबाद थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। तरुण कश्यप के खिलाफ तालकटोरा और कृष्णानगर थानों में मामले दर्ज हैं, जबकि विष्णु के खिलाफ काकोरी थाने में पहले से कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

जौनपुर में स्नातक मतदाता चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डॉ. केदारनाथ सिंह के पक्ष में चला सघन जनसंपर्क अभियान, गांव-गांव चौपाल बैठक कर मांगा समर्थन

पत्रकार संगठनों ने मुख्यमंत्री से किया मुलाकात

जय प्रकाश मिश्रा, जिला संवाददाता जौनपुर

जौनपुर 'उत्तर प्रदेश स्नातक निर्वाचन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जौनपुर में पूरी ताकत झोंक दी है। आज भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी 'डॉ. केदारनाथ सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील को लेकर जिले के विभिन्न गांवों में सघन जनसंपर्क और चौपाल बैठक का आयोजन किया गया।

इस अभियान का नेतृत्व संयोजक अशोक शुक्ला जी ने किया, जिनके साथ भाजपा संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता गांव–गांव घूमकर स्नातक मतदाताओं को जागरूक करते नजर आए।

प्रत्येक गांव में चौपाल लगाकर स्नातक मतदाताओं को समझाया गया कि स्नातक वोट का महत्व क्या है और डॉ. केदारनाथ सिंह जैसे शिक्षित, अनुभवी और कर्मठ प्रत्याशी को जिताना क्यों जरूरी है।

स्नातक वोट भाजपा को ही क्यों? – संयोजक ने बताया

चौपाल बैठक में संयोजक अशोक शुक्ला जी ने कहा – ष्डॉ. केदारनाथ सिंह जी सिर्फ प्रत्याशी नहीं हैं, वो शिक्षकों और स्नातकों की आवाज हैं। भाजपा सरकार ने हमेशा शिक्षित वर्ग का सम्मान किया है। स्नातक मतदाता जागरूक होता है और वो जानता है कि विकास भाजपा ही कर सकती है।'

भाजपा पदाधिकारियों की रही सक्रिय मौजूदगी –

इस जनसंपर्क अभियान में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे –

– भूपेश जी – जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा

– विमल कुमार गौतम जी – जिलाध्यक्ष, अनुसूचित मोर्चा

– दिनेश यादव जी – महामंत्री

– देवेश सिंह, कुंदन जी, आशुतोष जी

– राजेश उपाध्याय जी, उमाशंकर मिश्र जी, सिंघासन यादव सहित बडघी संख्या में



भाजपा कार्यकर्ता।

सभी नेताओं ने घर–घर जाकर स्नातक मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क किया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

किसान और अनुसूचित मोर्चा की अहम भूमिका –

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष भूपेश जी ने किसानों के बीच जाकर समझाया कि भाजपा सरकार ने किसानों के साथ–साथ शिक्षित वर्ग के लिए भी कई योजनाएं चलाई हैं। वहीं अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष विमल कुमार गौतम जी ने दलित बस्तियों में जाकर स्नातक मतदाताओं को एकजुट किया।

गांवों में दिखा उत्साह –

चौपाल बैठक में बडघी संख्या में स्नातक मतदाता उपस्थित रहे। कई जगह शिक्षकों, अधिवक्ताओं, युवाओं ने खुलकर कहा – ष्हमारा वोट भाजपा प्रत्याशी डॉ. केदारनाथ सिंह को ही जाएगा। हम सब मिलकर उन्हें जिताएंगे।ष

अंत में सभी गांवों में भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारों के साथ बैठक का समापन हुआ।

आने वाले दिनों में और तेज होगा अभियान –

संयोजक अशोक शुक्ला जी ने बताया कि आने वाले दिनों में जौनपुर की हर तहसील, हर ब्लॉक और हर गांव में स्नातक मतदाताओं के बीच इसी तरह चौपाल बैठक और जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा और डॉ. केदारनाथ सिंह जी को भारी मतों से विजयी बनाया जाएगा।

मल्हनी विधानसभा को अपना परिवार मानते हैं सपा पूर्व एमएलसी प्रत्याशी डॉ. मनोज कुमार यादव, बोले - राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने मौका दिया तो मल्हनी की तस्वीर बदल दूंगा

जय प्रकाश मिश्रा, जिला संवाददाता जौनपुर

मल्हनी विधानसभा, जौनपुर।

जौनपुर की सबसे हॉट सीट मल्हनी विधानसभा में अगर इस समय जनता के दिल में सबसे ज्यादा कोई नाम बसा है तो वो है डॉ. मनोज कुमार यादव

समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी और मल्हनी विधानसभा के भावी प्रत्याशी डॉ. मनोज कुमार यादव लगातार 367 बिना पद, बिना कुर्सी के मल्हनी की गलियों में, गांवों में जनता के बीच बने रहते हैं।

और सबसे बडी बात – डॉ. मनोज यादव मल्हनी को विधानसभा नहीं, अपना परिवार मानते हैं।

'मल्हनी मेरा परिवार है, यहां के लोग मेरे अपने हैं – डॉ. मनोज यादव

डॉ. मनोज जी अक्सर कहते हैं – मल्हनी मेरे लिए वोट की राजनीति नहीं है। मल्हनी मेरे लिए मेरा परिवार है। यहां के बुजुर्ग मेरे पिता जैसे, महिलाएं मेरी बहन–मां जैसी और युवा मेरे छोटे भाई जैसे हैं। परिवार में कोई सुख–दुख होता है तो आदमी पूछकर थोडघि जाता है, बस पहुंच जाता है। मैं भी वैसे ही पहुंच जाता हूं।

डॉक्टर होते हुए भी गरीब जनता का विशेष ख्याल –

डॉक्टर बनने के बाद लोग शहर चले जाते हैं, लेकिन डॉ. मनोज यादव गांव में ही रुक गए।

हर मरीज में भगवान–

मल्हनी के किसी भी कोने में कोई गरीब बीमार हो, पैसा न हो, तो डॉ. मनोज जी खुद दवा देते रहते हैं जनता में लोगों का मुफ्त इलाज कर रहे हैं।

स्वास्थ्य ही सेवा है –

हर तरह की स्वस्थ सेवा की मदत करना और भी हॉस्पिटल मदत करना!

गरीब बेटियों के भाई –

कई गरीब बेटियों की शादी में चुपचाप मदद, विधवा महिलाओं को पेंशन दिलवाना,

हर सुख–दुख में साथ – यही है असली नेता की पहचान

मल्हनी के किसी गांव में चले जाइए, आपको पता चलेगा डॉ मनोज यादव हर घर पर सुख दुःख में सम्मिलित होते रहते हैं

2027 को लेकर बडघ ऐलान – 'मौका मिला तो तस्वीर बदल दूंगा'

'मैं समाजवादी पार्टी का एक छोटा सा सिपाही हूं। मेरे नेता माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी ने हमेशा मुझे प्यार दिया है। अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने और मल्हनी की जनता ने मुझे 2027 में मौका दिया तो मैं वादा नहीं, दावा करता हूं –

मैं मल्हनी विधानसभा की तस्वीर बदल दूंगा। क्योंकि मैं इसे विधानसभा नहीं, अपना घर–परिवार मानता हूं।'

डॉ. मनोज यादव का 'मल्हनी परिवार विजन 2027'

मेरा परिवार स्वस्थ रहे –

हर न्याय पंचायत पर 24/7 मॉडल हेल्थ सेंटर, मल्हनी में सरकारी ट्रामा सेंटर, हर ब्लॉक में एम्बुलेंस, गरीबों के लिए हर साल मुफ्त ऑपरेशन कैंप।

मेरे परिवार के बच्चे पढें–लिखें मल्हनी में गरीब बच्चों के लिए मुफ्त IAS/PCS और मेडिकल कोचिंग, लडघकियों के लिए डिग्री कॉलेज की लडाई।

मेरे परिवार के युवाओं को रोजगार मिले – स्किल डेवलपमेंट और पैरामेडिकल ट्रेनिंग सेंटर खोलकर 5000 युवाओं को नौकरी।

मेरे परिवार की सडघकें–खेत चमकें – सभी संपर्क मार्ग पक्के, सई–गोमती नहरों में टेल तक पानी, हर गांव में स्ट्रीट लाइट।

मल्हनी की जनता क्या कहती है?

मल्हनी कि देवतुल्य जनता कहती हैं – 'पहली बार कोई नेता मल्हनी को परिवार बोल रहा है। डॉ. मनोज में वो बात है। वो डॉक्टर है तो गरीब का दर्द समझता है, नेता है तो गरीब की लडाई लडता है।'



चोरी की तीन बाइकों के साथ तीन युवक गिरफ्तार

प्रयागराज। वाहन चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को सिविल लाइंस पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की तीन बाइक बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी भीड़भाड़ वाले स्थानों से मौका देखकर बाइक चोरी करते थे। इसके बाद उनकी नंबर प्लेट हटाकर उन्हें बेच देते थे।

पुलिस के मुताबिक,

रविवार दोपहर लोहिया मार्ग चौराहे पर चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सब्जी मंडी तिराहे के पास तीन युवक चोरी की बाइकों के साथ मौजूद हैं। वह बाइक बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तीनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोरांव के हाजीगंज निवासी निहाल गौतम, थरवई के पैगंबरपुर निवासी शिवांग उर्फ आर्यन यादव और होलागढ़ के दहियांवा हंसराजपुर निवासी शिवम पासी के रूप में हुई है।

नवरात्र मेला में उत्कृष्ट सेवा करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मानित, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया उत्साह

मीरजापुर, 19 अक्टूबर 2026– नवमी के दिन विन्ध्य महोत्सव के मंच पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्ण रजत कौशिक ने शारदीय नवरात्र में लगाये गये सेक्टरध्जोनल मजिस्ट्रेटों, सेक्टर व जोनल अधिकारियों, पुलिस अधिकारी, सफाई कर्मचारी, गोताखोर एवं सम्बन्धित विभाग के लगाये गये अधिकारियों को मेला सकुशल सम्पन्न कराने पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कहा कि शारदीय नवरात्र मेला को सकुशल सम्पन्न कराना हम सभी के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सेवा का महत्वपूर्ण अवसर था। मां विन्ध्यवासिनी के दर्शन–पूजन के लिए देश व विदेश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु विन्ध्याचल पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करना, उन्हें सुगम एवं सुरक्षित दर्शन उपलब्ध कराना तथा मेला क्षेत्र में शांति, स्वच्छता और व्यवस्थाओं को बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। जनपद व गैर जनपद के सभी अधिकारियों ने आपसी समन्वय, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, जिसके परिणामस्वरूप मेला व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में सफलता मिली।

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन की सफलता के पीछे अनेक विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सामूहिक परिश्रम, समर्पण और बेहतर तालमेल होता है। मेला क्षेत्र में तैनात सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों, सेक्टर एवं जोनल अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों तथा पुलिस कर्मियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं सफाई कर्मचारियों ने मेला क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य किया तथा गोताखोरों ने जल क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया।



उन्होंने कहा कि मेला ड्यूटी के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिन–रात मेहनत कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया। भीड़ के दबाव के बीच संयम बनाए रखना, श्रद्धालुओं की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों की सुविधा का ध्यान रखना और आपात परिस्थितियों में तत्परता से कार्य करना प्रशासन की संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि जनसेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि जनविश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब सभी विभाग एक टीम के रूप में कार्य करते हैं, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना भी प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों, गोताखोरों तथा उन सभी कार्मिकों के योगदान की सराहना की, जो अक्सर पर्दे के पीछे रहकर व्यवस्थाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है और किसी भी आयोजन की सफलता में सभी की सहभागिता समान रूप से आवश्यक होती है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने भी मेला ड्यूटी में लगे पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित सभी संबंधित कार्मिकों के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार समन्वय, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान मेला व्यवस्था में योगदान देने वाले सभी कार्मिकों के मनोबल को बढ़ाने तथा भविष्य में और अधिक निष्ठा एवं उत्साह के साथ जनसेवा करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 कीर्ति कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार, उप जिला मजिस्ट्रेटध्प्रभारी अधिकारी पर्यटन जूही प्रसाद एवं सेक्टर, जोनल, पुलिस अधिकारी, सम्मानित होने वाले कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार से सभी परेशान-अतुल सिंह

Wisdom india

कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पूर्व प्रत्याशी अतुल सिंह ने विधानसभा ऊंचाहार के बरसवां,रतापुर,गंगागढ़,जब्बारीपुर,कैथवल,पूरे अयोध्या,अकोढ़िया,हरिहरपुर,माधवपुर आदि गांव में नुक्कड़ सभा,चौपाल एवं जनसंपर्क लोगों की समस्याएं सुनी और मोदी सरकार द्वारा चुनावों में धांधली कराए जाने के संबंध में लोगों को बताया।इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि देश के लोकतंत्र एवं चुनावी व्यवस्था को बचाने के लिए जननायक राहुल गांधी जी लगातार संघर्ष कर रहे हैं,अभी दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया इससे मोदी सरकार बौखला गई है।गांव गांव की चर्चा बन गई है कि मोदी सरकार वोट चोरी करके चुनाव जीत रही है और चुनाव आयोग पूरा सहयोग भाजपा का कर रहा है,गांव–गांव वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे गूंज रहे हैं।चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि यह आम जनता की मांग है।श्री सिंह ने कहा कि ऊंचाहार की जनता मूलभूत सुविधाओं से वंचित है,बिजली, पानी,सड़क के लिए परेशान होना पड़ रहा है,आवारा पशुओं से फसले नष्ट हो रही हैं क्षेत्रीय विधायक को इन समस्याओं से कोई लेना–देना नहीं है। आम आदमी आज परेशान है किसान की हालत लगातार खराब होती जा रही है। महंगाई चरम पर है चीनी,दाल,गुड,सरसों का तेल आदि घरेलू उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं।लोगों के खाने के लाले पड़ रहे हैं। मोदी योगी सरकार से कोई लेना–देना नहीं है।ऊंचाहार की जनता मेरे परिवार परिवार की तरह है मैं हमेशा आप सबके सुख–दुख में इसी तरह खड़ा रहूंगा। अयमा जहानिया निवासी स्वर्गीय संदीप पाल(32) की मृत्यु की सूचना पर पीड़ित परिजनों से मिलकर आर्थिक सहायता दी और गहरी शोक संवेदना व्यक्त की इसके बाद श्री सिंह ने मां दुर्गा के पंडालों में पहुंचकर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं ऊंचाहार वासियों के खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला सचिव शैलेंद्र सिंह,जिला सचिव शंभू शरण पाल,रामदत्त पांडे, विनोद मौर्य,कप्तान सिंह,गोलू अग्रहरि, अविनाश सिंह,अभय सिंह,संजय सिंह, सत्यम सिंह,तेज बहादुर सिंह,रवि सिंह, प्रेम नारायण,संजीव कुमार गौतम,राजेश पाल,जितेंद्र सरोज,मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद हबीबुल्लाह,शिवमूरत दुबे,दर्शन लोधी,मनोज मौर्य,राम लखन गौतम, गोमती गौतम,शिवम सरोज,राजेंद्र यादव, अजय अग्रहरि,अनूप यादव,धर्मेंद्र यादव, मिथिलेश यादव,रोहित लाल गौतम, राकेश कुमार सरोज,कमलेश सरोज, नितेश सरोज आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।





विन्ध्य महोत्सव के अष्टमी को सांस्कृतिक कार्यक्रम का अध्यक्ष जिला पंचायत ने देवी चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया शुभारम्भ

मीरजापुर, 19 अक्टूबर 2026– मां विन्ध्यवासिनी देवी के पावन धाम विन्ध्याचल में नवरात्र मेला के अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय विन्ध्य महोत्सव के अंतर्गत अष्टमी के दिन भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया ने मां विन्ध्यवासिनी देवी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर



किया। इस अवसर पर मां विन्ध्यवासिनी देवी के जयकारों से कार्यक्रम स्थल भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। विन्ध्य महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं लोक कलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं एवं धार्मिक आस्था की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं दर्शकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। नवरात्र के पावन अवसर पर विन्ध्य महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ–साथ सांस्कृतिक एकता का भी संदेश दे रहा है। महोत्सव के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। विन्ध्य महोत्सव के आयोजन से विन्ध्याचल की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है।

सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुत करने वाले कलाकारों व उनकी टीम को अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया एवं उप जिला मजिस्ट्रेटध्प्रभारी अधिकारी पर्यटन जूही प्रसाद ने अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। विन्ध्य महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम के अष्टमी के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों के द्वारा विन्ध्य की लोक संस्कृति पर आधारित मन मोहक प्रस्तुति दी गई जिसमें सूरज कुमार, मानसी रघुवंशी मुंबई, हृदय मिश्र आजमगढ़, सत्यांशु पटेल अयोध्या, सुजीत तिवारी लखनऊ, श्रीमती शिप्रा लखनऊ, मनीष शर्मा मीरजापुर, रागिनी चन्द्रा मीरजापुर, प्रतिमा मिश्रा प्रयागराज, शेषमणि भदोही, मोहन मिश्र आजमगढ़, कीर्ति साहनी मीरजापुर, सतीश कुमार ने अपने मनमोहक प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन राजेन्द्र तिवारी उर्फ लल्लू तिवारी व संजय श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर जूही प्रसाद, विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद से रूपेश श्रीवास्तव, अंजू मौर्या के अलावा अन्य अधिकारीगण व भारी संख्या श्रोता उपस्थित रहें।

वेदान्ता मैराथन में पाया दूसरा स्थान, बढ़ाया जनपद का गौरव

सुलतानपुर । जनपद के कोतवाली नगर क्षेत्र पयागीपुर निवासी संजय मिश्रा पुत्र स्व० रामदत्त मिश्रा (प्रधान) के सबसे छोटे पुत्र ने मैराथन दौड़ में अपनी चाल से देश एवं विदेश के प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए इंटरनेशनल मैराथन में लाया दूसरा स्थान उक्त मैराथन 18 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में वेदान्ता मैराथन द्वारा आयोजित इसके मुख्य अतिथि देश के वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह रहे। विशालकाय पांच किलोमीटर लंबी मैराथन दोड़ प्रतियोगिता में दूसरा स्थान लाकर जिलें का एवं पयागीपुर का मान बढ़ाया अवगत कराते चलें संजय ने अन्य प्रतियोगिताओं में अपना कमाल दिखाया और गोल्ड मेडल भी हासिल किया हैं उनके इस कामयाबी पर सुनील मिश्रा, दीपक मिश्रा जिलाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ, गिरीश मिश्रा सभासद, सूर्यमणि मिश्रा, महेन्द्र पाठक,ओपी शर्मा,सत्यवीर यादव, राम–लखन यादव समेत सैकड़ों स्थानीय लोगों ने बधाई दिया हैं।



पंडालों में पहुंची महिला पुलिस , किया जागरुक

जौनपुर। नवरात्रि के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण को लेकर पुलिस की शक्ति मोबाइल टीम ने जनपद के विभिन्न पूजा पंडालों, मंदिरों और भीड़ ध वाले स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा के उपायों और पुलिस से सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी। बालिकाओं को 1090, 112, 181 और 2930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया। पुलिसकर्मियों ने समझाया कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, छेड़छाड़ या असुरक्षा की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल सहायता लें और पुलिस को सूचना दें।महिला पुलिस टीम ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति में सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उनमें पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना और महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करना रहा।इस दौरान महिला उपनिरीक्षक पुष्पा, महिला कांस्टेबल आरती पांडेय, महिला कांस्टेबल विमलेश और हेड कांस्टेबल शिवदान सहित पुलिस टीम के सदस्य मौजूद रहे।

पंडालों में उमड़ रही भीड

जौनपुर। नगर में शारदीय नवरात्र के दौरान देवी पंडालों और मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हर मिराहे से लेकर चौराहे तक सिापित दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन और पूजा–अर्चना के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।आरती के समय भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि आयोजकों को इसे संभालना मुश्किल हो रहा है। नगर के पालिटेकनिक चौराहे से लेकर नई गंज, लाइनबाजार, मियापुर से ओलन्दगंज, कोतवाली चौराहा से भण्डारी तक अनेक स्थानों पर एक से बढ़कर एक पूजा पण्डालों मं मां की प्रतिमा ष्शोभायमान है जहां हजारों लोग रोज पहुंच कर ष्शीष झुका रहे है।यहां रोजाना कीर्तन, भजन और आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। यह कार्यक्रम देर रात तक चलता रहता है। इसके सफल आयोजन में महल्ले वालों का पूरा सहयोग रहता है।

कुएं में गिरी महिला, फायर ब्रिगेड ने बचाई जान

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के तूतीपुर मोहल्ले में कुएं में गिरने से अफरा–तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड के जवानों ने 58 वर्षीय सुमन सेठी को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया। तूतीपुर मोहल्ले में सुमन सेठी अचानक कुएं में गिर गईं। घटना की जानकारी मिलने पर अग्निशमन टीम ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने सूझबूझ और सावधानी के साथ महिला को बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता मिली। महिला के सुरक्षित बाहर निकलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली। वहीं, स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए महिला की जान बचाने वाली फायर ब्रिगेड टीम के प्रयासों की सराहना की।

स्नातक चुनाव को लेकर हुई बैठक

जौनपुर।सिरकोनी विकास खण्ड मुख्यालय पर ब्लॉक प्रमुख बंसराज सिंह की अध्यक्षता में स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा की एक अहम बैठक आयोजित की गयी।बैठक में 23 अक्टूबर को होने वाले स्नातक चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई।बैठक में पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख श्री सिंह ने कहा कि ब्लॉक में हम सभी को प्रयास करके ज्यादा ज्यादा से मतदान करवाना है।कोई भी मतदान से वंचित नही होने पाए।इसके अलावा हम पूरी ताकत से लग जाये।बैठक में पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश चंद्र जायसवाल, संजय सिंह,सत्य प्रकाश सिंह,जगतनारायण सिंह,चंद्रप्रकाश चौबे,शशिकांत पाठक,शुभम सिंह,शैलेन्द्र सिंह,ललित श्रीवास्तव, पप्पू चौहान, सुधांशु सिंह,अजय सिंह,विंध्याचल शुक्ल आदि मौजूद रहे।

मेडिकल रिपोर्ट में दुराचार की पुष्टि नही

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थापित माँ दुर्गा जी के पंडाल से अपहृत बालिका की मेडिकल रिपोर्ट में उसके साथ दुराचार नही होने की बात सामने आयी है। ज्ञात हो उक्त गांव में स्थापित किये गए दुर्गाजी के पंडाल से उसी गांव का एक व्यक्ति पांच वर्षीय बालिका का अपहरण कर लिया था।अपहरण होने के तीन घण्टे बाद ग्रामीणों व पुलिस ने किशोरी तथा उस युवक को गांव से कुछ दूर सई के किनारे सरपत के झुरमुट से बरामद कर लिया था।मौके की स्थिति देखकर किशोरी से छेड़खानी किए जाने की बात सामने आ रही थी।थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे ने बताया कि किशोरी की मेडिकल रिपोर्ट आ गयी है।उसमें किशोरी से दुराचार नही हुआ है हालांकि प्रयास किया गया था।

स्व.सुरेश चंद्र अग्रवाल की 75वीं जन्म जयंती पर होंगे सेवा, संत सम्मान और संस्कृति को समर्पित भव्य आयोजन

-आज होंगी 551 साधु-संतों की प्रसादी, वृंदावन में 'हमारे राम' का मंचन और गोवर्धन, बरसाना व श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर होंगे विशेष दर्शन

(मथुरा)

स्वीटी बाय एम. आर. ग्रुप के संस्थापक स्वर्गीय श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल की 75वीं जन्म जयंती (हीरक जयंती) के अवसर पर सेवा, श्रद्धा, संत सम्मान और भारतीय संस्कृति को समर्पित विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 20 अक्टूबर को ब्रज क्षेत्र के 551 साधु–संतों के लिए भव्य प्रसादी, वृंदावन में प्रसिद्ध नाट्य प्रस्तुति 'हमारे राम' का मंचन तथा गोवर्धन, बरसाना और श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ठाकुर जी की विशेष पोशाक एवं फूल बंगला दर्शन का आयोजन होगा।

स्वर्गीय सुरेश चंद्र अग्रवाल एक दूरदर्शी उद्यमी और सिद्धांतों के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। उन्होंने सीमित संसाधनों से अपनी व्यावसायिक यात्रा शुरू की और मेहनत, ईमानदारी तथा विश्वास के बल पर 'स्वीटी सुपारी' को विशिष्ट पहचान दिलाई। व्यवसाय के साथ–साथ सामाजिक जिम्मेदारी, पारिवारिक संस्कार, धार्मिक आस्था और मानवीय मूल्यों के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहा।

उनकी विरासत को उनके सुपुत्र एवं एम. आर. ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल तथा पौत्र एवं मैनेजिंग डायरेक्टर लव कुमार बंसल आगे बढ़ा रहे हैं।

18 अक्टूबर को स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

हीरक जयंती के उपलक्ष्य में 18 अक्टूबर को ग्रीन वैली में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इसके माध्यम से जनसेवा और जनकल्याण की उस भावना को आगे बढ़ाया गया, जो स्वर्गीय अग्रवाल के जीवन का अभिन्न हिस्सा रही।

551 साधु–संतों के लिए होगी प्रसादी

20 अक्टूबर को प्रातः परिणय गार्डन में ब्रज क्षेत्र के 551 साधु–संतों के लिए भव्य प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसमें ब्रज के विभिन्न क्षेत्रों से साधु–संतों एवं ब्रजवासियों की सहभागिता रहेगी। संत सेवा, अन्नदान और ब्रज समाज के प्रति सम्मान की भावना से आयोजित यह कार्यक्रम स्वर्गीय अग्रवाल के धार्मिक संस्कारों और सेवा भाव को समर्पित होगा।

तीन प्रमुख धार्मिक स्थलों पर होंगे विशेष दर्शन

इसी क्रम में गोवर्धन स्थित श्री दानघाटी मंदिर, बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर तथा मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ठाकुर जी की विशेष पोशाक और भव्य फूल बंगला दर्शन का आयोजन किया जाएगा।

परिवार के अनुसार, स्वर्गीय सुरेश चंद्र अग्रवाल का इन तीनों पवित्र स्थलों से विशेष आध्यात्मिक जुड़ाव था। वह अपने जीवनकाल में यहां श्रद्धापूर्वक दर्शन करने जाते थे। उनकी आस्था और भावनात्मक लगाव को स्मरण करते हुए परिवार की ओर से इन धार्मिक आयोजनों का संकल्प लिया गया है।

वृंदावन में होगा 'हमारे राम' का मंचन

हीरक जयंती के मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत मंगलवार, 20 अक्टूबर को वृंदावन स्थित स्वामी हरिदास ऑडिटोरियम, गीता शोध संस्थान में फेलिसिटी थिएटर की चर्चित नाट्य प्रस्तुति 'हमारे राम' का भव्य मंचन किया जाएगा।

यह नाट्य प्रस्तुति भगवान श्रीराम के जीवन, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्शों को मंच सज्जा, संगीत एवं प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करती है। इसमें राहुल आर. भूचर प्रभु श्रीराम, आशुतोष राणा रावण, दानिश अख्तर भगवान हनुमान, तरुण खन्ना भगवान शिव तथा अमृता परिहार माता सीता की भूमिका में नजर आएंगे।

आयोजकों के अनुसार, भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों और स्वर्गीय सुरेश चंद्र अग्रवाल के सिद्धांतनिष्ठ जीवन के बीच भावनात्मक एवं वैचारिक जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्तुति का आयोजन किया जा रहा है। इसे उनके आदर्शों, संस्कारों और जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

आयोजन की तैयारियों में जुटी टीम

हीरक जयंती के आयोजन की तैयारियों में विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष एवं परिवार के वरिष्ठ सदस्य कन्हैयालाल अग्रवाल का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। एम. आर. ग्रुप परिवार ने उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्रुप की टीम पिछले लगभग तीन महीनों से आयोजन की तैयारियों में जुटी हुई है। मंच व्यवस्था, सजावट, फोटोग्राफी, भोजन, अतिथि सत्कार और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े सहयोगियों के योगदान की भी सराहना की गई है।

एम.आर. ग्रुप परिवार के अनुसार, संस्थापक की हीरक जयंती उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने, संत सेवा और ब्रज समाज के प्रति सम्मान प्रकट करने तथा उनके प्रेरणादायी जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर है। परिवार ने स्वर्गीय सुरेश चंद्र अग्रवाल की स्मृति को नमन करते हुए सेवा, सत्यनिष्ठा, धर्म, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।



पूर्व विधायक पर नाला पाटने का आरोप

जौनपुर। नेशनल हाईवे पर जलालपुर के बीबनमऊ और महिमापुर गांव की सीमा के पास स्थित सरकारी नाले को पाटकर कब्जा करने का आरोप केराकत के पूर्व सपा विधायक एवं वर्तमान भाजपा नेता गुलाबचंद सरोज और उनके बेटे सुरेश कुमार सरोज पर लगा है। पीड़ित ने सरकारी नाले पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत भू–माफिया पोर्टल पर भी की है। मनहन गांव निवासी बजरंगी यादव के अनुसार, बीबनमऊ गांव में नेशनल हाईवे के किनारे उनकी बैनामे की जमीन है, जबकि उससे सटे महिमापुर गांव में गुलाबचंद सरोज के बेटे की जमीन स्थित है। दोनों भूखंडों के बीच करीब 44 फुट चौड़ा सरकारी नाला है, जिसके माध्यम से दोनों गांवों का पानी निकलकर सई नदी में गिरता है। बजरंगी यादव का आरोप है कि वर्ष 2003 में भी नाले को सैकड़ों ट्रैक्टर मिट्टी से पाटकर कब्जा करने का प्रयास किया गया था। उस समय गुलाबचंद सरोज सपा के विधायक थे। पीड़ित के मुताबिक, प्रशासन से राहत नहीं मिलने पर उन्होंने न्यायालय का सहारा लिया था। इसके बाद स्थगन आदेश के चलते कब्जे का प्रयास रुक गया था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

क्या कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम?

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति–पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति–पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा–अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने श्अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्गश छोड़कर श्अंग्रेजियत की पगडंडियोंश पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा–परखा रास्ता नहीं था।



जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। श्स्वश के स्थान पर श्परकीयश विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक श्राष्ट्रश नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रुप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे श्विचारों की घर वापसीश कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकुल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी श्शास्त्रार्थश परंपरा है। इसलिए ष्एक किताब,एक विचार, एक देवता ष को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। श्स्वत्वश ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे। भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में 'स्वबोध' का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर श्भारतश को श्भारतश (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक–सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी श्इंडियाश बनाने की कोशिशें हुईं, ।

सम्पादकीय

आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर

मूडीज का जनसंख्या विमर्श इस लिहाज से उपयोगी है कि इससे फिर ध्यान इस ओर गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने विकसित देशों की कसौटियां भारत पर लागू करने की कोशिश की हैं।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जनसंख्या संचरना में आ रहे बदलाव का उपयोगी, लेकिन एकांगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह उपयोगी इस लिहाज से है कि इससे फिर देश का ध्यान इस रुझान की तरफ गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने सुझाव देते वक्त विकसित देशों की कसौटी भारत पर लागू करने की कोशिश की है। उसने ध्यान दिलाया है कि भारत की प्रजनन दर अब अपेक्षित प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर चुकी है। इस कारण आने वाले दशकों में भारत की आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर बढ़ेगी। फिलहाल आबादी अपेक्षाकृत युवा है, लेकिन देश के जनसांख्यिकीय ढांचे में बदलाव शुरू हो चुका है। इस तरह भारत अब उसी रास्ते पर है, जिस पर यूरोप और पूर्वी एशिया के देश पहले पहुंच चुके हैं। बहरहाल, इसके बाद मूडीज ने जो कहा है, वे घिसी–पिटी बातें हैं। मसलन, उसके मुताबिक आबादी के उम्रदराज होने से कामकाजी लोगों की संख्या में वृद्धि दर धीमी होगी, जिससे कुल आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। कम कामकाजी लोगों पर अधिक संख्या में रिटायर्ड हो चुके बुजुर्गों को संभालने का बोझ बढ़ेगा, जिससे सरकारी खजाने, पेंशन प्रणाली, और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उधर उपभोक्ता बाजार में मांग घटने की समस्या आएगी। लोगों के बूढ़े होने से देश में बचत, निवेश, और वित्तीय बाजारों के ढांचे में बड़ा बदलाव आएगा।

मगर ये बातें उन देशों में अधिक प्रासंगिक मालूम पड़ेंगी, जो अपनी श्रम शक्ति का पूरा उपयोग कर पा रहे हों। साथ ही जहां सामाजिक सुरक्षा का दुरुस्त इंतजाम हो। भारत कथित डेमोग्राफिक डिविडेंड (युवा आबादी के लाभ) के दौर में भी अपने कुशल एवं शिक्षित युवा हाथों को काम मुहैया करा पाने में नाकाम रहा है। इस कारण आबादी की तुलना में यहां का उपभोक्ता बाजार सीमित बना हुआ है, जो हाल के वर्षों में और अधिक असंतुलित हो गया है। देश में सामाजिक सुरक्षा व्यक्तियों की अपनी पूर्व योजना या फिर कैश ट्रांसफर के जरिए वोट खरीद योजनाओं पर निर्भर हैं। इन हकीकतों के बीच आबादी के पश्चिमी विमर्श की यहां न्यूनतम प्रासंगिकता ही है।

खादी और ग्रामोद्योग समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना-बाना बुनना

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैंकृजो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक–तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ–साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादीकृहाथ से काता और हाथ से बुना हुआकृभारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्?तर मान्यता मिल रही है।

हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने–बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने श्जनसमूह द्वारा उत्पादित्त खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्राकृ स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की – बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्?वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट–स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है।

हिमाचल में केंद्र के फंड पर सीएम सुखखू रहे जय राम ठाकूर का कांग्रेय पर हमला

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर केंद्र की वित्तीय सहायता को न स्वीकारने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास कार्य केंद्रीय बजट से हो रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू केवल अपनी छवि चमका रहे हैं। राज्य सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय और रेलवे परियोजनाओं के लिए जरूरी फंड भी नहीं दे पा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राज्य की विकास परियोजनाओं के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से मिले सहयोग को स्वीकार न करने पर हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की आलोचना की। 4 अक्टूबर को दिए एक बयान में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में मौजूदा विकास काफी हद तक केंद्र से मिली बड़ी वित्तीय सहायता की वजह से संभव हुआ है, फिर भी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इसके लिए कोई आभार नहीं जताया है।जयराम ठाकुर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री अक्सर केंद्र सरकार से मिलने वाले उपहारों और बजट सहायता का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक छवि सुधारने के लिए करते हैं। जारी बयान के अनुसार, राज्य को सड़क निर्माण, रखरखाव और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र से सीधे अरबों रुपये मिले हैं, लेकिन सुक्खू ने इस मदद को स्वीकार करने से परहेज किया है। उन्होंने कहा कि सड़क उद्घाटन और शिलान्यास समारोहों सहित सभी परियोजनाओं का बजट केंद्र द्वारा मंजूर किया गया था। हालांकि भाजपा को इस व्यवस्था से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका कहना है कि मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार की इस मदद के लिए उनका धन्यवाद करना चाहिए।राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति पर चिंता जताते हुए, जयराम ठाकुर ने कहा कि हालात इतने खराब हैं कि सरकार धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए 30 करोड़ रुपये, या रेलवे परियोजनाओं के लिए जरूरी 10 प्रतिशत फंड भी नहीं दे पा रही है। पिछले चार वर्षों में सड़कों की हालत पर उन्होंने कहा कि खराब बुनियादी ढांचे के बारे में सभी को पता है, और सड़कों का रखरखाव तथा सुधार केवल केंद्रीय फंड की मदद से ही संभव हो पाया है।न्होंने पूरे राज्य में बन रहे फोर–लेन सड़क नेटवर्क का जिक्र करते हुए कहा कि इससे स्थानीय निवासियों और पर्यटकों, दोनों के लिए परिवहन व्यवस्था बेहतर हुई है। दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ अपनी हालिया मुलाकात का जिक्र करते हुए, जयराम ठाकुर ने कहा कि मंत्री ने हिमाचल प्रदेश में सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को स्थानीय मुद्दों को तुरंत सुलझाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण इलाकों में सड़क नेटवर्क में बड़े पैमाने पर सुधार केवल केंद्र सरकार की योजना प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाश की बदौलत ही संभव हो पाया है। उन्होंने दावा किया कि जहां केंद्र सरकार जरूरी फंड मुहैया कराती है, ।

जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण विकास को गति, आजीविका के नए अवसरों से मजबूत हो रहा सरगुजा

नोनी सुरक्षा योजना से बेटियों के भविष्य की तैयारी, डेयरी और मछली पालन से आय के नए साधनय ग्रामीण सड़कों से बेहतर हो रहा संपर्क ग्रामीण विकास का वास्तविक अर्थ केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों को आजीविका के बेहतर साधन उपलब्ध कराना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के अवसर प्रदान करना भी है। जब बेटियों की शिक्षा के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार तैयार होता है, ग्रामीण परिवार पशुपालन और मछली पालन जैसी रोजगार परक गतिविधियों से आय बढ़ाते हैं तथा गांवों को बेहतर सड़क संपर्क जैसे अधोसंरचना मिलता है, तब विकास का लाभ व्यापक स्तर पर दिखाई देता है। सरगुजा जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों से जुड़े उदाहरण इसी दिशा में आगे बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं।नोनी सुरक्षा योजना, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, ग्रामीण रोजगार के अंतर्गत आजीविका डबरी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी पहलें परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। इन योजनाओं का महत्व इस बात में है कि वे स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को विकास के अवसरों से जोड़ती हैं।नोनी सुरक्षा योजना से बेटी के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षाबेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए समय रहते आर्थिक प्रावधान करना परिवारों को भरोसा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कृष्णापुर निवासी श्रीमती मानती राजवाड़े की बेटी आंचल राजवाड़े को एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। यह बॉन्ड भारतीय जीवन बीमा निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है।मानती राजवाड़े के लिए बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा। इससे भविष्य में उच्च शिक्षा से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करने में परिवार को सहायता मिलने की उम्मीद है। यह पहल बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है।डेयरी व्यवसाय से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धिसरगुजा जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। डेयरी व्यवसाय किसानों और ग्रामीण परिवारों को नियमित आय का साधन उपलब्ध करा सकता है। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर लमगांव निवासी मनोज कुमार पटेल ने अपने डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ाया है।मनोज कुमार पटेल प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध का विक्रय कर करीब 1,200 रुपये की दैनिक आय अर्जित कर रहे हैं। उनके अनुसार, दूध की बिक्री से होने वाली मासिक आय में से खर्च निकालने के बाद लगभग 15 हजार रुपये की बचत हो रही है। पशुपालन के माध्यम से उन्हें नियमित आय का अवसर मिला है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल रही है।डेयरी व्यवसाय की उपयोगिता इस बात में भी है कि इससे ग्रामीण परिवारों को केवल मौसमी कृषि आय पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। दूध उत्पादन और उसकी बिक्री से नियमित आर्थिक गतिविधि बनी रहती है।आजीविका डबरी से जल संरक्षण, खेती और मछली पालन को सहाराग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों का संरक्षण आजीविका और कृषि विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्षा जल का संग्रहण सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के साथ मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए भी उपयोगी हो सकता है। ग्राम निवासी फूना राम पहाड़ी कोरवा की कहानी इसी दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत करती है। खाली पड़ी जमीन पर आजीविका डबरी का निर्माण किया गया, जिसमें वर्षा जल का संचय कर मछली पालन शुरू करने का अवसर मिला। इससे परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन विकसित होने की संभावना बनी है। ग्रामीण रोजगार योजना के अंतर्गत निर्मित ऐसी परिसंपत्तियां स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आजीविका के अवसर तैयार करने में सहायक हो सकती हैं।इसी तरह ग्राम के बाबूनाथ के खेत में डबरी के गहरीकरण से जल संग्रहण और सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई। पानी उपलब्ध होने से उन्हें सब्जी उत्पादन में मदद मिली और मछली पालन की संभावनाएं भीविकसित हुईं। खेती और मछली पालन को एक साथ अपनाने से ग्रामीण परिवारों को आय के एक से अधिक स्रोत विकसित करने का अवसर मिल सकता है।जल संरक्षण के कार्यों को आजीविका से जोड़ने पर उनका महत्व और बढ़ जाता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार डबरी का उपयोग सिंचाई, सब्जी उत्पादन और मछली पालन के लिए किया जा सकता है। इससे ग्रामीण रोजगार, कृषि उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहन मिलता है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्रामीण संपक व्यवस्था मजबूतग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के लिए सड़क संपर्क का बेहतर होना आवश्यक है। सड़कें गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार के अवसरों से जोड़ती हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर–दरिमा–मैनपाट मार्ग से मानिक प्रकाशपुर तक 3.85 किलोमीटर लंबी सड़क का नवीनीकरण 57.83 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। सड़क का नवीनीकरण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों और अन्य राहगीरों को दैनिक जरूरतों के लिए आने–जाने में सुविधा मिलने के साथ आसपास के बाजारों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बेहतर बनाने में सहायता मिलती है। अच्छी सड़कें कृषि उपज के परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और विद्यार्थियों के नियमित आवागमन के लिए भी उपयोगी हैं। इस प्रकार ग्रामीण अधोसंरचना में सुधार का लाभ अनेक क्षेत्रों में मिलता है। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों के लिए उपलब्ध अवसरों तक पहुंच आसान होती है और क्षेत्र के समग्र विकास को आधार मिलता है।योजनाओं और स्थानीय संसाधनों से विकास को नई दिशा सरगुजा जिले में सामने आए ये उदाहरण ग्रामीण विकास के अलग–अलग पहलुओं को उजागर करते हैं। नोनी सुरक्षा योजना बेटियों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का अवसर देती है, डेयरी व्यवसाय परिवारों को नियमित आय उपलब्ध कराने में मदद करता है और आजीविका डबरी जल संरक्षण के साथ खेती तथा मछली पालन को बढ़ावा देने की संभावनाएं पैदा करती है। वहीं, बेहतर सड़क संपर्क ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य जरूरी सेवाओं तक पहुंचने में सहायक होता है। सरगुजा की विकास यात्रा यह दर्शाती है कि जब योजनाएं जमीनी जरूरतों से जुड़ती हैं और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होती है, तो विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन में दिखाई देता है।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है।

वृष राशि
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए आज का दिन अच्छा है, किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा।

मिथुन राशि
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वह सफल होगा। आज आपकी अच्छी सोच का अच्छा नतीजा मिलेगा।

कर्क राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं,।

कन्या राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके व्यापार की गति अच्छी रहेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

तुला राशि–
आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज कुछ समय व्यक्तिगत कार्यों में बिताने से आप अपने आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जाएगा।

धनु राशि–
आज का दिन मिली–जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगे। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने की जरूरत है।

मकर राशि–
आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज अपने बच्चों का आत्मबल बनाकर रखने में सहयोग

कुंभ राशि–
आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी।

मीन राशि–
आज आपका दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे–समझे किसी अजनबी पर भरोसा न करें।

मजदूर के बेटे राहुल का कनिष्ठ सहायक पद पर चयन, 17 साल बाद गांव में खुशी की लहर

बस्ती। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर इंसान किसी भी मुकाम को हासिल कर सकता है। इस बात को साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के महुड़र गांव निवासी राहुल ने सच साबित कर दिखाया है। मजदूर के बेटे राहुल का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में कनिष्ठ सहायक के पद पर हुआ है। उनकी इस सफलता से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी की लहर है। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल–मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। राहुल के पिता त्रिलोकी परिवार का भरण–पोषण करने और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए मजदूरी करते हैं, जबकि उनकी माता इन्नावती देवी घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद राहुल ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल कर परिवार के साथ–साथ पूरे गांव का नाम रोशन किया है।राहुल के गांव पहुंचने पर समाजसेवी दीप लाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान फूल–मालाएं पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया और मिठाई वितरित की गई। समाजसेवी दीप लाल ने कहा कि गांव में करीब 17 वर्षों बाद किसी युवक की सरकारी विभाग में नौकरी लगी है। यह पूरे गांव के लिए गर्व और खुशी की बात है। राहुल ने अपनी सफलता से गांव के अन्य युवाओं के सामने एक मिसाल पेश की है।स्वागत समारोह में पहुंचे कल्पनाथ बाबू, जय हिंद गौतम, अनूप कुमार एडवोकेट और विवेक ओबेरॉय ने राहुल की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और ईमानदारी से सफलता हासिल की है। उनकी कामयाबी उन युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए राहुल ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में पढ़ाई छोड़कर कमाने के लिए मुंबई जाना पड़ा। वहां उन्होंने मेहनत–मजदूरी की, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि कठिन परिश्रम के बावजूद उनकी जरूरतों के अनुसार कमाई नहीं हो पा रही थी। ऐसे में परिवार का भरण–पोषण करना और भविष्य संवारना मुश्किल लगने लगा।राहुल ने बताया कि मुंबई में ही उन्हें दोबारा पढ़ाई शुरू करने की प्रेरणा मिली। इसके बाद वह गांव लौट आए और अपने माता–पिता से फिर से पढ़ाई करने की इच्छा जताई। माता–पिता ने खुशी–खुशी उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। पिता ने मेहनत–मजदूरी करके उनकी पढ़ाई का खर्च उठाया और माता ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। आखिरकार राहुल ने अपनी मेहनत और परिवार के त्याग के दम पर सफलता हासिल कर ली।राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता के कठिन परिश्रम, माता के त्याग, परिवार के सहयोग और गांव के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि उनके माता–पिता ने कठिन परिस्थितियों में भी उनका साथ नहीं छोड़ा और पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। आज वह जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसमें उनके परिवार की सबसे बड़ी भूमिका है।राहुल की इस उपलब्धि से महुड़र गांव में उत्साह का माहौल है।

शारदीय नवरात्रि, अष्टमी पर महागौरी की पूजा को उमड़े श्रद्धालु, मंदिरों में लगी कतारें

मधुबन, मऊ। शारदीय नवरात्र के आठवें दिन रविवार को अष्टमी के अवसर पर आदिशक्ति मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा–अर्चना के लिए मंदिरों और पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पडी। सुबह से ही हाथों में पूजन सामग्री, चुनरी, नारियल और अड़हुल का फूल लेकर भक्त माता के दरबार की ओर निकल पड़े। ढोल–नगाड़ों और शंखध्वनि के बीच गगनभेदी जयकारे गूंजते रहे। मान्यता है कि मां महागौरी की पूजा से पापों का नाश होता है और अखंड सुहाग व सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है। इनका स्वरूप अत्यंत गौर वर्ण, शांत और करुणामयी है। इस दिन बड़ी संख्या में महिलाओं ने निराहार व्रत रखकर परिवार की मंगलकामना की। कई अधिकतर जगहों पर कन्या पूजन भी किया गया। मधुबन व रामपुर थाना क्षेत्र में इस बार कुल 94 पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर प्राण–प्रतिष्ठा की गई है। नगर पंचायत मधुबन कस्बा के साथ ही दुबारी, विग्रहपुर, गजियापुर, तिघरा, नंदौर, परसूपुर, तिनहरी, चचाईपार, भानपुर, भठिया, टमठा, भैरोपुर, गंगऊपुर, मर्यादपुर, बेलौली, काठतरांव, फतेहपुर मंडाव, चंद्रापार, नेमडाड़ सहित दर्जनों गांवों के काली मंदिरों में सुबह से ही पूजन–अर्चन शुरू हो गया।घर–घर हुआ कलश पूजन, गूंजे भजन–कीर्तन नवरात्र में मंदिरों के साथ ही घर–घर कलश पूजन की धूम रही। महिलाओं ने घरों में अखंड ज्योति जलाकर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। कई घरों में भजन–कीर्तन व देवी गीत का आयोजन किया गया। अष्टमी पर हवन–पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। मधुबन व दुबारी बाजार के बद्रीनाथ थीम वाले पंडाल आकर्षण के केंद्र बने हैं।

सीता हरण और शूर्पणखा की नाक कटने का प्रसंग देख मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय कस्बे के राजगद्दी मैदान में श्री कृष्ण राम लीला समिति के तत्वावधान में चल रही रामलीला के दौरान कोलघिल संवाद, सीता हरण तथा शूर्पणखा की नाक कटने का मार्मिक एवं मनमोहक मंचन किया गया। मंचन देखने के लिए शाम होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु राजगद्दी मैदान में पहुंचने लगे। धार्मिक प्रसंगों के जीवंत मंचन ने दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा।रामलीला मंचन से पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा की पूर्व प्रत्याशी पूनम सरोज एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. उमेश सरोज ने माता दुर्गा की विधिवत आरती कर किया। आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने माता के जयकारे लगाए और भक्ति में लीन नजर आए। इसके बाद रामलीला के कलाकारों ने विभिन्न प्रसंगों का मंचन शुरू किया। मंचन के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के वनवास से जुड़े प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। शूर्पणखा के प्रसंग में उसके द्वारा भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के सामने विवाह का प्रस्ताव रखने तथा लक्ष्मण द्वारा उसकी नाक काटे जाने का दृश्य देखकर दर्शक भाव–विभोर हो उठे। इसके बाद रावण द्वारा साधु का रूप धारण कर माता सीता का हरण करने का प्रसंग भी कलाकारों ने जीवंत कर दिया। मंच पर कलाकारों के संवाद, अभिनय और भाव–भंगिमाओं को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में अंकित सरोज, लालजी वर्मा, संजीव उपाध्याय, प्रभु नारायण खन्ना, दिलीप गुप्ता, संतोष मल्होत्रा, श्याम जी जायसवाल, संजय शर्मा, अभिषेक सोनकर, विवेक पोद्दार, बृजेश अग्रवाल, आशीष कुमार, द्वारपाल जायसवाल आदि रामलीला समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे सहित सैकड़ों श्रद्धालु देर रात तक चले कार्यक्रम में पूरा राजगद्दी मैदान में आनंद लेते रहे।

न्याय न मिला तो पत्नी समेत 22 अक्टूबर को दिया सरयू में जल समाधि की चेतावनी

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन और उनकी पत्नी ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि यदि उनके मकान के सामने से कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नकटीदेई निवासी ओम प्रकाश द्वारा जबरिया रखा गया टीन टप्पर न हटवाया गया तो वे पत्नी समेत 22 अक्टूबर को सरयू नदी में जल समाधि ले लेंगे। जोखन ने बताया कि पहले उन्होने 20 अक्टूबर को सरयू में जल समाधि लेने की चेतावनी दिया था किन्तु कानूनगो ने आश्वासन दिया है कि 21 अक्टूबर तक उनकी समस्या का समाधान करा दिया जायेगा। इसे देखते हुये उन्होने पत्नी समेत जल समाधि का निर्णय दो दिन के लिये टाल दिया है। कलवारी थाना क्षेत्र के वैश्नोपुर निवासी जोखन ने उच्चाधिकारियों को दिये पत्र में कहा है कि वे पत्नी के साथ पिछले 7 वर्षो से निरन्तर अपने अधिकार के लिये संघर्ष कर रहे हैं, दो बार पहले भी जल समाधि की चेतावनी दे चुके हैं, अधिकारियों के आश्वासन पर वे निर्णय टालते रहे किन्तु समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। जोखन ने चेतावनी दिया है कि यदि इस बार भी प्रशासन खरा न उतरा तो वे बाध्य होकर 22 अक्टूबर को सरयू नदी में जल समाधि ले लेंगे।

सीएम योगी पहुंचे तेलियाजोत, यशोदा देवी को दी श्रद्धांजलि

बस्ती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को बस्ती जिले के तेलियाजोत गांव पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी की मां यशोदा देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर सुबह 11रू30 बजे तेलियाजोत गांव के निकट बने कूड़ी गांव में हेलीपैड पर उतरा। इसके बाद वह स्टाफ कार से हरीश द्विवेदी के आवास पहुंचे। वहां यशोदा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की।इस दौरान हरीश द्विवेदी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।इस अवसर पर भाजपा विधायक अजय कुमार सिंह,जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्लसहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। कुड़ी गांव स्थित हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भाजपा के चुनिंदा नेताओं ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन, 194 मरीजो की हुई जांच

मोहम्मदाबाद गोहना मऊ। शासन के निर्देश पर प्रत्येक रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़े करहा समेत चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मेले का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मेले में चिकित्सकों ने जांच कर दवा दी गई। मेले के दौरान अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर फैयाज अहमद चिकित्सकों को निर्देशित किया कि आप अपनी ड्यूटी पर बखूबी तैनात रहे। मौसम में हो रहे बदलाव के प्रति स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें जबकि ज्यादातर मरीज मौसम की हो रहे बदलाव के कारण जिसमें सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, टाइफाइड, मलेरिया, शुगर के मरीज आए जबकि चारों स्थान मिलकर 194 मरीज का चिकित्सकों ने जांच कर दवा दी। इस मौके पर डॉक्टर जावेद अहमद, डॉक्टर संजय चौहान, डॉक्टर बलवंत, सरोज यादव, सूबेदार सरोज, रितेश कुमार राय, उपासना राय एवं अस्पताल की एनम तथा स्टाफ नर्स अलग–अलग स्वास्थ्य केदो पर तैनात रहे।

सुरक्षा को लेकर सतर्क रहा प्रशासन

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तेलियाजोत गांव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कमिश्नर वैभव श्रीवास्तव, डीआइजी संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

मां दुर्गा प्रतिमाओ के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

मोहम्मदाबाद गोहना, मऊ। शारदीय नवरात्रि पूजा को लेकर स्थानीय कस्बा समेत कोतवाली क्षेत्र में माता दुर्गा की 46 प्रतिमाएं स्थापित की गई है जबकि कस्बे में मात्र पांच स्थानों पर जिसमें विजय स्तंभ चौक, तमसा नदी तट, मुख्य बाजार, कैलेंडर तिराहा एवं स्टेशन रोड माता दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। शनिवार रात्रि माता दुर्गा के पट खोलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बड़ी तथा भक्तगण माता दुर्गा का उपासना पूजन एवं उनके प्रति समर्पित होने हेतु पंडाल में पहुंचकर दर्शन पूजन किए। जबकि भिन्न–भिन्न स्थानों पर स्थापित माता दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष पुलिस एवं महिला पुलिस की तैनाती की गई है। वहीं माता दुर्गा के पटके खुलते ही उप जिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री, पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह, कोतवाल कमलकांत वर्मा समेत महिला पुलिस एवं पीएसी के जवान मौजूद रहे।

लिखित आश्वासन पर आन्दोलन समाप्तः काम पर वापस लौटें संविदा स्वास्थ्यकर्मी-डा. वी.के. वर्मा

बस्ती। नियमितिकरण और वेतन विसंगति दूर करने सहित आठ सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मियों का आन्दोलन लिखित आश्वासन पर समाप्त हो गया है।उ०प्र० राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि प्रदेश में करीब एक लाख एनएचएम कर्मी 18 वर्षो से सेवा दे रहे हैं। लेकिन शासन उन्हें नियमितिकरण करने की प्रक्रिया शुरू नही किया है। इतना ही नही आश्वासन के बाद भी अब तक वेतन विसंगति दूर नही किया गया। लखनऊ के ईको गार्डेन में अनिश्चित कालीन धरना–प्रदर्शन के दौरान वार्ता में मांगों पर पहल करने का लिखित आश्वासन दिया गया। इससे कर्मी आन्दोलन समाप्त की घोषणा करने के साथ ही को काम पर लौट गए।मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने धरना प्रदर्शन में सहयोग के लिये आभार व्यक्त करते हुये कहा कि स्वास्थ्यकर्मी काम पर वापस लौटे।

लघु फिल्म के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों की दी गई जानकारी

मऊ। मिशन शक्ति फेज–6.0 के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत उमापुर में बाल विवाह के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एएचटी थाना प्रभारी अजीत चौधरी एवं जिला मिशन समन्वयक, हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन अर्चना राय की अध्यक्षता तथा अपराजिता सामाजिक समिति के प्रिंस कुमार के समन्वय से बाल विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणामों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। फिल्म के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा बच्चों के भविष्य, शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा इसके विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रमुख रहीं। इन योजनाओं की पात्रता, उद्देश्य एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से बताया गया, ताकि पात्र लाभार्थी योजनाओं का लाभ उठा सकें। उप निरीक्षक अंशी शुक्ला ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 1090, वन स्टॉप सेंटर 181, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, एंबुलेंस सेवा 108 एवं 102 के बारे में जानकारी दी तथा आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान तृप्ति राय, जेंडर स्पेशलिस्ट, महिला कांस्टेबल वंदना, विपिन यादव, अभिषेक सिंह, मिशन शक्ति टीम के सदस्य, एएचटी थाना के समस्त कर्मचारी, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कृषि अनुसंधान, सूक्ष्मजीव तकनीक एवं किसान हितों को बढ़ावा देने पर जोर

मऊ। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो तथा राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान का दौरा किया। इस अवसर पर कृषि अनुसंधान, उन्नत बीज प्रौद्योगिकी, सूक्ष्मजीव आधारित कृषि तकनीकों, दलहन एवं तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरे में डॉ. मांगी लाल जाट महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, उपमहानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली तथा डॉ. राजबीर सिंह, उपमहानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। दौरे के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने संस्थानों के परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर और टिकाऊ कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके उपरांत राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव संग्रह के नवीन भवन का शिलान्यास किया गया। छह।ब्ब् के माध्यम से कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीवों का वैज्ञानिक संरक्षण और आवश्यकता के अनुरूप उपयोग कृषि उत्पादन को अधिक टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने में सहायक होगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण किसान गोष्ठी एवं हितधारकों के साथ संवाद रहा, जिसमें लगभग 500 किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी का विषय दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता, उन्नत बीज, उत्पादन तकनीक एवं सूक्ष्मजीव तकनीक गोष्ठी एवं हितधारकों से संवाद था। इस दौरान किसानों के साथ दलहन एवं तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीजों के उपयोग, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों को अपनाने तथा जैव उर्वरकों एवं अन्य सूक्ष्मजीव आधारित कृषि उत्पादों की भूमिका पर विचार–विमर्श किया गया। इस अवसर पर औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों के साथ भी संवाद आयोजित किया गया। अपने दौरे के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने प्ह।त्–छठ।प्ड एवं प्ह।त्–छप्प्ज् की प्रयोगशालाओं का भी भ्रमण किया। उन्होंने दोनों संस्थानों में संचालित अनुसंधान गतिविधियों, वैज्ञानिक सुविधाओं तथा कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित की जा रही तकनीकों का अवलोकन किया।

अहंकार मनुष्य को अंदर से खोखला कर देता है- सद्गुरु महाराज

दोहरीघाट, मऊ। मां सरयू के तट स्थित अंतरराष्ट्रीय मातेश्वरी महाधाम में शारदीय नवरात्र पर मातेश्वरी परिवार की ओर से आयोजित 10 दिवसीय आदिशक्ति अखंड महायज्ञ के आठवें दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। परिवार के संस्थापक सद्गुरु जी महाराज ने ध्यान–योग एवं प्रवचन के दौरान कहा कि अहंकार मनुष्य के पतन का प्रमुख कारण है। इससे बचने के लिए परम सत्ता का स्मरण करते हुए जीवन में विनम्रता अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गेहूं में घुन लगने से वह अंदर ही अंदर खोखला हो जाता है, उसी तरह अभिमान भी व्यक्ति की आंतरिक शक्ति को कमजोर कर देता है। अहंकार के साथ द्वेष जन्म लेता है, जो जीवन में अशांति बढ़ाता है। व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों पर घमंड करने के बजाय दूसरों के प्रति सम्मान और सद्भाव रखना चाहिए। सद्गुरु जी महाराज ने भगवान विष्णु, नारद मुनि, मुकुट और खड़ाऊ से जुड़ा प्रसंग सुनाकर अभिमान के दुष्परिणाम समझाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य कब अहंकार के वशीभूत हो जाए, इसका पता भी नहीं चलता। यही प्रवृत्ति क्रोध को बढ़ाती है और उसे उपहास का पात्र बना सकती है। रावण का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि दस विद्याओं का ज्ञाता और प्रकांड विद्वान होने के बावजूद उसका अंत हुआ। सुदर्शन, योगेश्वर, धर्मानंद पांडेय, अवधेश सिंह, नित्यानंद, भागीरथी, सुरेश, कृष्णा, किस्मती, रंजू, मालती, संगीता और बविता सहित अनेक श्रद्धालुओं ने प्रवचन का लाभ लिया। आयोजन स्थल पर आचार्य दिव्यानंद जी के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आचार्य गणेश जी महाराज की ओर से भोजन–प्रसाद वितरित किया जा रहा है, जबकि मां शक्ति अस्पताल, दोहरीघाट की तरफ से भक्तों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सामाजिकता के प्रतीक थे डा रामविलास भारती- मनोज राय

घोसी, मऊ। गोल्ड मेडलिस्ट एवं राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित स्व. डा. रामविलास भारती की स्मृति में रविवार को उनके पैतृक गांव माछिल जमीन माछिल में आयोजित आदरांजलि, श्रद्धांजलि एवं सांत्वना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और शैक्षणिक जगत से जुड़े लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ ने उनके प्रति लोगों के सम्मान और समाज में उनके व्यापक प्रभाव को दर्शाया। एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि डा. रामविलास भारती का जाना समाज के लिए घातक क्षति है। उन्होंने अपने विचारों, ज्ञान और सामाजिक कार्यों से लोगों को जागरूक करने का काम किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर डा. लक्ष्मण यादव ने कहा कि डा. भारती का निधन समाज के एक युग का अंत है। उनके विचार और सामाजिक सरोकार आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। भाजपा के प्रदेश मंत्री सहजानंद राय और विजय कुमार राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार राय तथा ब्लाक प्रमुख डा. रामकृष्ण यादव पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्त ने भी डा. रामबिलास भारती के व्यक्तित्व और योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डा. रामविलास भारती की धर्मपत्नी शशि प्रभा ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के आयोजन और व्यवस्थाओं में निशांत भारती, शशांक भारती, शिवचंद राम, डा. अशोक कुमार, विद्यासागर, अजय कुमार, सुशांत भारती, विनय कुमार, रामअवध राव और रामभवन सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। इस अवसर पर विवेक कुमार रानू, रुपेंद्र भारती, सीमांत भारती, पीडी टंडन, डा. ओमप्रकाश राव, डा. अरुण कुमार, उषा देवी, डा. सुधा, शारदा देवी, मीना देवी, विनीत कुमार, प्रजांत भारती, अनिल कुमार, देवविकांत, इंजीनियर प्रियांशु, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फोरलेन किनारे नाले में मिला युवक का शव, मौत से मचा हड़कंप - नाले में गिरने से मौत की आशंका

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हाजीपुर के समीप रविवार शाम फोरलेन किनारे एनएचएआई के नाले में एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवींद्रनाथ राय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नाले से शव निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान आशीष चौरसिया (पुत्र दिनेश चौरसिया) निवासी लिलारी भरौली, थाना कोपागंज के रूप में बताई गई है। रविवार शाम करीब पांच बजे स्थानीय लोगों ने नाले में शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवींद्रनाथ राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

पुलिस अधीक्षक द्वारा पैदल गस्त व दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का किया गया निरीक्षण

मऊ। दुर्गा पूजा व दशहरा त्यौहार को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने तथा जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सर्वेश कुमार मिश्रा द्वारा क्षेत्राधिकारी घोसी सत्येन्द्र भूषण तिवारी व प्रभारी निरीक्षक दोहरीघाट सहित भारी संख्या में पुलिस बल के साथ दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कस्बा में पैदल गस्त किया गया तथा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल घ्घाट थाना क्षेत्र दोहरीघाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन मार्ग सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने, संवेदनशील स्थलों पर सतर्क दृष्टि रखने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए गए। त्यौहार के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी गश्त, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों पर सतर्क निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया।

बहू बेटी सम्मेलन में महिलाओं और बच्चियों को दी गई जानकारी

मोहम्मदाबाद गोहना, मऊ। बहू बेटी सम्मेलन के तहत रविवार को पुलिस अधीक्षक सर्वेश कुमार मिश्रा के दिशा निर्देशन में कोतवाल कमलकांत वर्मा के कुशल नेतृत्व में एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा महिलाओं व बच्चियों को, ग्राम टेकई, हिंडोला में सुरक्षा के तहत 1090 महिला हेल्पलाइन नंबर, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा डायल, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए 108 एम्बुलेंस हेल्पलाइन एवं अन्य महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी दी गई और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया।

शिव मानसरोवर में स्थापित होगी 51 फीट ऊंची शिव प्रतिमा, हुआ भूमि पूजन

फतेहपुर। शहर स्थित सिद्धपीठ श्री तांबेश्वर मंदिर के निकट विकसित किए जा रहे शिव मानसरोवर में भगवान शिव की 51 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा स्थापित की जाएगी। रविवार को प्रतिमा स्थापना के लिए विधि–विधान के साथ हवन–पूजन कर भूमि पूजन किया गया। पूर्व मंत्री राधेश्याम गुप्ता ने पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर सिद्धपीठ श्री तांबेश्वर मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने बताया कि मंदिर परिसर के निकट स्थित सरोवर का जीर्णोद्धार कर उसे आधुनिक एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। सरोवर में भगवान शिव की भव्य प्रतिमा स्थापित होने से श्रद्धालुओं को एक विशेष धार्मिक स्थल की सौगात मिलेगी। यहां श्रद्धालुओं के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएगी। तीज–त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर बड़ी संख्या में आने वाले भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्क बेंच सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि भगवान शिव की 51 फीट ऊंची प्रतिमा श्रद्धालुओं की आस्था व धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर स्थापित की जा रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

विंध्याचल बनेगा यूपी के शक्तिपीठ सर्किट का प्रमुख केंद्र- जयवीर सिंह

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के विंध्याचल में धार्मिक पर्यटन का दायरा अब मां विंध्यवासिनी मंदिर से आगे बढ़कर संपूर्ण शविंध्य त्रिकोणश तक विस्तारित हो रहा है। मां विंध्यवासिनी, मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में वर्ष 2025 के दौरान कुल करीब 1.84 करोड़ दर्शनार्थी पहुंचे। वर्ष 2023 में यह संख्या लगभग 1.15 करोड़ थी। इस तरह दो वर्षों में तीनों मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच सदियों पुरानी विंध य त्रिकोण परिक्रमा अब धार्मिक पर्यटन की नई पहचान बन रही है। उत्तर प्रदेश सरकार भी शक्तिपीठ सर्किट विकसित कर इस आस्था पथ को विस्तार देने की दिशा में काम कर रही है। पारंपरिक रूप से यह धार्मिक यात्रा मां विंध्यवासिनी मंदिर से शुरू होकर मां काली खोह मंदिर पहुंचती है और मां अष्टभुजा मंदिर में पूरी होती है। इस परिक्रमा के माध्यम से श्रद्धालु एक ही यात्रा में देवी के तीन स्वरूपों के दर्शन करते हैं। विंध्य त्रिकोण अंतर्गत मां विंध्यवासिनी धाम श्रद्धालुओं की पहली पसंद बना हुआ है। ध ाम में दर्शनार्थियों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी इसकी गवाही दे रही है। वर्ष 2023 में जहां करीब 73 लाख श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 78.15 लाख और साल 2025 में करीब 1.20 करोड़ तक पहुंच गया। यानी दो साल में श्रद्धालुओं की संख्या में करीब 64 फीसदी का उछाल आया। आस्था का यह सिलसिला 2026 में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनवरी से अगस्त तक ही करीब 90 लाख श्रद्धालु मां विंध यवासिनी के दर्शन कर चुके थे। यह संख्या पिछले पूरे साल के कुल दर्शनार्थियों की करीब 75 फीसदी है। खास बात यह है कि यह आंकड़ा शारदीय नवरात्र के पहले का है।

गड़बड़ा धाम मां शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ीभारी भीड़

मीरजापुर। शारदीय नवरात्रि के महाअष्टमी पर्व पर रविवार को हलिया विकास खंड क्षेत्र के प्रसिद्ध गड़बड़ा धाम स्थित मां शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मां के गौरी स्वरूप के दर्शन–पूजन के लिए भोर से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। दूर–दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में मत्था टेककर परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की अलग–अलग कतारें लगी रहीं। कई भक्त दंडवत करते हुए मां के दरबार तक पहुंचे तथा विधिवत पूजन किया। भक्तों ने नारियल, चुनरी, फूल–माला और हलवा–पूड़ी अर्पित कर विधि–विध ान से पूजा–अर्चना की। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी गई। मंदिर प्रबंधक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परिसर की गतिविधियों पर नजर बनाए रहे। वहीं थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस टीम एवं महिला पुलिसकर्मियों और पीएसी जवानों के साथ व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने मां का दर्शन–पूजन किया। मंदिर प्रबंध ाक प्रकाश शुक्ला, सुभाष शुक्ल, ज्ञान चंद शुक्ला शीशी कैमरे व खोया पाया सेंटर से सहयोग करते रहे। मंदिर के पुजारी मंगलधारी मिश्र ने बताया कि महाअष्टमी पर करीब 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां शीतला के दरबार में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। दर्शन–पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में भी जमकर खरीदारी की।

खैरा गांव में हाईकोर्ट जज के बंद मकान को चोरों ने खंगाला,लाखों का माल पार, मचा हड़कंप

मीरजापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र के खैरा गांव में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध याय के बंद पड़े मकान में चोरों ने लाखों की चोरी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।न्यायमूर्ति के बड़े भाई माताम्बर उपाध्याय ने बताया कि वह बेटे के पास गाजियाबाद गए थे। शनिवार शाम लौटने पर देखा कि मेन गेट खोलते ही अंदर के 10 कमरों के ताले टूटे थे, अलमारी और संदूक खुले पड़े थे। चोर पिछवाड़े से छत के रास्ते आंगन में उतरकर घटना को अंजाम देकर भागे। सूचना पर फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर फिंगर प्रिंट लिए। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने भी खुद मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है।पुलिस ने मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही घटना का पर्दाफाश किया जाएगा की बात कहीं है। दूसरी ओर पूरे क्षेत्र में यह चोरी की घटना और सूचना होते ही गांव में पुलिस की टीम से लेकर आलाधिकारियों की बढ़ी सरगर्मियों चर्चा का विषय बना हुआ है कि चोरी की घटना का वास्तविक खुलासा कर पाती है या गधा लदान कर मामले में कर्तव्यों की इति श्री कर लेती है इलाकाई पुलिस...?

राजनीति नहीं, जननीति मंत्र से जुड़ रहे है मिर्जापुर के मतदाता दिव्या मित्तल

मीरजापुर। जिले की सियासत में बड़ा भूचाल आ गया है। समाजवादी पार्टी के महासचिव और प्रसिद्ध गायक मंटू मिश्रा ने सपा का दामन छोड़कर पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल की नई पार्टी श्जननीति भारतश का दामन थाम लिया है। मंटू मिश्रा के शामिल होने को जननीति भारत के लिए बड़ी मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ दल बदलने की नहीं, सोच बदलने की कहानी है। उत्तर प्रदेश कैडर की पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 साल की प्रतिष्ठित सेवा छोड़कर जनसेवा का रास्ता चुना है। उनकी पार्टी का नाम ही चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी का कहना है कि यह किसी परिवार या जाति की नहीं, बल्कि जन की नीति पर आध ारित पार्टी है। दिव्या मित्तल ने जिले की पांच विधानसभा सीटों में से सबसे चर्चित सीट मिर्जापुर नगर (सदर) से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। यह सीट कभी किसी एक दल की जागीर नहीं रही है। 2002 से 2012 तक यह सीट सपा के कैलाश चौरसिया के पास रही, जबकि 2017 और 2022 में भाजपा के रत्नाकर मिश्रा ने जीत दर्ज की। 2022 के चुनाव में भाजपा ने सपा को 39,876 वोटों के अंतर से हराया था। इस सीट का जातीय समीकरण जननीति के लिए अनुकूल माना जा रहा है। यहां करीब डेढ़ लाख वैश्य, 50 हजार ब्राह्मण, 40 हजार मुस्लिम मतदाताओं के साथ बड़ा दलित–पिछड़ा वर्ग निर्णायक भूमिका में है। दिव्या मित्तल सितंबर 2022 से 2023 तक मिर्जापुर की डीएम रही हैं और लहुरिया दह गांव में पानी पहुंचाने जैसे कार्यों से उन्होंने जनता में अपनी पहचान बनाई है।

'काली खोह और अष्टभुजा मंदिरों में भी बढ़े श्रद्धालु'

मां विंध्यवासिनी धाम के साथ मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ तेजी से बढ़ी है। विंध्याचल में धार्मिक पर्यटन के विस्तार का असर इन दोनों मंदिरों में दर्शनार्थियों की संख्या पर भी दिख रहा है। वर्ष 2023 में मां काली खोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में कुल करीब 42.36 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 64 लाख हो गया। यानी दो साल में श्रद्धालुओं की संख्या में 51 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़े बताते हैं कि विंध्याचल आने वाले श्रद्धालु अब मां विंध्यवासिनी के दर्शन के साथ मां काली खोह और मां अष्टभुजा के दरबार में भी हाजिरी लगा रहे हैं। इससे विंध्य त्रिकोण की परिक्रमा धार्मिक पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभर रही है।

'विंध्याचल बनेगा शक्तिपीठ सर्किट का केंद्र- मंत्री'

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि शविंध्याचल में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या विकास कार्यों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विंध्याचल धाम को एक मंदिर तक सीमित रखने के बजाय संपूर्ण शक्ति पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विंध्याचल प्रदेश के विस्तारित शक्तिपीठ सर्किट का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे देश–विदेश के श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश की समृद्ध शक्ति उपासना परंपरा से जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएमध्वीवीपैट वेयर हाउस में एफएलसी का किया दैनिक निरीक्षण

आजमगढ़, (आर एन एस)जिला निर्वाचन अधिकारीध जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने जिला निर्वाचन कार्यालय, आजमगढ़ स्थित ईवीएमध्वीवीपैट वेयर हाउस का दैनिक निरीक्षण कर वहां चल रहे प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) कार्य का जायजा लिया। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की एफएलसी प्रक्रिया को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं दिशा–निर्देशों के अनुरूप संपादित किए जाने के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने एफएलसी कार्य में लगे तकनीकी कार्मिकों एवं संबंधित अधिकारियों से मशीनों की जांच प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की कार्यशीलता, कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट एवं वीवीपैट सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जांच प्रक्रिया को देखा।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईवीएमध्वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए एफएलसी कार्य को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार पूर्ण गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएमध्वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश–निकास व्यवस्था एवं अभिलेखों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ सिंह,मुख्य राजस्व अधिकारी संजीव ओझा, अपर जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह, संजय चावला, ईवीएम प्रभारी एवं अन्य अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खंड शिक्षक निर्वाचन को सकुशल संपन्न कराने हेतु की गई समीक्षा बैठक

आजमगढ़ (आर एन एस)उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर – फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारीध्सहायक रिटर्निंग ऑफिसर रविंद कुमार की अध्यक्षता में नोडल ध्सहायक नोडल अधिकारियों के साथ निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।जिलाधिकारी ने बैठक में निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएँ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर ली जाएँ।आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालनजिलाधिकारी ने वर्तमान में प्रभावी आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में आचार संहिता के अनुपालन की नियमित निगरानी करें तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप ही सभी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर आचार संहिता का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए।पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान एवं मतदान केंद्रों तक आवागमन की समीक्षाबैठक में पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान स्थल, मतदान केंद्रों तक आवागमन, रूट व्यवस्था तथा मतदान के पश्चात वापसी से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान एवं वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से सुनिश्चित कर ली जाए। संबंधित अधिकारी अपने स्तर से सभी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर लें, जिससे मतदान दिवस पर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।मतदान केंद्रों पर एएमएफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देशजिलाधिकारी ने जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर एएमएफ ()नतमक डपदपउनउ थ्बपसप. जपमे) की उपलब्धता का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र प र – ि व द्य ु त व्यवस्था,पेयजल,शौचालय, रैंप,दिव्यांग मतदाताओं के लिए सुगम आवागमन, साफ–सफाई,पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था,आवश्यक फर्नीचर एवं अन्य मूलभूत सुविधाएँउपलब्ध रहनी चाहिए। जहाँ कहीं भी कोई कमी पाई जाए, संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर उसे तत्काल दूर कराया जाए।मतदान केंद्रों का निरीक्षण एवं कमियों का निस्तारण जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का दुबारा निरीक्षण कर वहाँ उपलब्ध व्यवस्थाओं का परीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को चिन्हित कर संबंधित विभाग के माध्यम से समय से तत्काल दूर कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन दिवस से पूर्व सभी व्यवस्थाओं की पुनः समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी आवश्यक व्यवस्था लंबित न रहे। निर्वाचन कार्मिकों की तैयारी एवं प्रशिक्षणबैठक में निर्वाचन कार्य में लगाए गए कार्मिकों की तैनाती एवं प्रशिक्षण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित कार्मिकों को उनके दायित्वों एवं निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाए तथा प्रशिक्षण संबंधी कार्य निध ार्रित समयसीमा में पूर्ण किए जाएँ।निर्वाचन सामग्री एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षाबैठक में निर्वाचन सामग्री, आवश्यक संसाध ानों, पोलिंग पार्टियों की आवश्यकताओं तथा अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्वाचन सामग्री एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्ध ता का पूर्व में ही सत्यापन कर लिया जाए, ताकि मतदान के समय किसी भी प्रकार की कमी न हो।धि ाकारियों के बीच बेहतर समन्वय के निर्देशजिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन एक महत्वपूर्ण एवं सामूहिक प्रशासनिक दायित्व है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें तथा अपने–अपने दायित्वों को समयबद्ध रूप से पूरा करें। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी सभी बिंदुओं पर नियमित समीक्षा की जाए और प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र की प्रगति से संबंधित आवश्यक रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा जिलाधि ाकारी के निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन संबंधी सभी तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाने का आश्वासन दिया गया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी संजीव ओझा, अपर जिलाधि ाकारी नरेंद्र सिंह, संजय चावला, उप जिलाधिकारीगण, समस्त नोडलध सहायक अधिकारी एवं अन्य अधि ाकारी उपस्थित रहे।

'विकास कार्यों से मजबूत हो रहा आधारभूत ढांचा'

विंध्याचल में श्रद्धालुओं की सुविधाओं और धार्मिक स्थलों के कायाकल्प पर करीब 208.09 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके तहत मां की पैड़ी, संपर्क मार्गों, परिक्रमा पथ, आसपास की सड़कों और मुख्य मंदिर परिसर में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। विंध्यवासिनी स्वरूप देवी मंदिर के आसपास के विकास के साथ अष्टभुजा और काली खोह क्षेत्र में भी बुनियादी सुविधाएं मजबूत की जा रही हैं। पहाड़ी मंदिरों तक पहुंच आसान बनाने में रोपवे ने अहम भूमिका निभाई है। इससे बुजुर्गों और परिवारों को विशेष सहूलियत मिली है।

पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति, जनपद आजमगढ़ की जिला कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार, कोषाध्यक्ष बने मनीष कुमार गुप्ता

आजमगढ़ (आरएनएस)आजमगढ़ पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति,आजमगढ़ की जिला कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार किया गया। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने, अनुदेशकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा उनके अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एवं प्रदेश सचिव संदीप सिंह यादव की देखरेख में चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की मजबूती, आपसी एकता और अनुदेशकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए संगठित प्रयास करने का संकल्प लिया। जिलामंत्री श्रीकांत यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव,जिला कोषाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता,उपाध यक्ष आशुतोष राय,अखंड प्रताप सिंह, जिला संगठन मंत्री ऋषिकेश मौर्य,गब्बर राव,अमित सिंह ,मीडिया प्रभारी रामचंद्र यादव व विवेक सिंह, जिला प्रवक्ता राजेश यादव, संतोष श्रीवास्तव ,राकेश सिंह का चुनाव हुआ।पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन अनुदेशकों के मानदेय, नियमितीकरण, सेवा सुरक्षा एवं अन्य लंबित मांगों को शासन–प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाता रहेगा।

प्रेमिका से मिलने आए युवक की गला दबाकर हत्या, प्रेमिका और उसका भाई गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)मेंहनगर थाना क्षेत्र में प्रेमिका से मिलने आए 25 वर्षीय युवक दीपक कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने वांछित युवती और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवक का शव युवती के घर में मिला था। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल फोन और एक दुपट्टा बरामद किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहानागंज थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव निवासी चंद्रभान राम ने 16 अक्टूबर 2026 को मेंहनगर थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका 25 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार 15 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे कोचिंग पढ़ाने जाने की बात कहकर घर से निकला था। उसी दिन रात करीब आठ बजे दीपक ने फोन कर बताया कि वह घर नहीं आएगा और अगले दिन सुबह वापस लौटेगा। इसके बाद परिजनों को सूचना मिली कि दीपक का शव मेंहनगर क्षेत्र में एक युवती के घर में पड़ा हुआ है।मृतक के पिता ने युवती और सुमित पुत्र जयप्रकाश निवासी करनेहुआ, थाना मेंहनगर पर हत्या का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 349ध्2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108ध्61(2) में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तारवरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाध यक्ष अभिराज सरोज के नेतृत्व में मेंहनगर पुलिस टीम ने 18 अक्टूबर को पवनी कला क्षेत्र से युवती और सुमित को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी का समय सुबह करीब 11रू40 बजे बताया गया है।पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और एक दुपट्टा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में अग्रिम विधि ाक कार्रवाई प्रचलित है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अभिराज सरोज, कांस्टेबल सूरज गुप्ता, कांस्टेबल विवेक सिंह और महिला कांस्टेबल गीतांजलि शामिल रहीं।

महिला ने घर में घुसकर छेड़छाड़ का लगाया आरोप

लालगंज, मीरजापुर। थाना क्षेत्र में स्थित एक महिला ने घर में घुसकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के बजाय पीड़िता कंचन देवी का ही शांतिभंग में चालान कर दिया, जबकि आरोपी खुला घूम रहा है। लालगंज थाना क्षेत्र के तेंदुहनी गांव की कंचन देवी ने थाने में शिकायत दी। बताया कि शनिवार रात 9 बजे उनके पति ओमप्रकाश दुर्गा पूजा देखने गए थे और बच्चे सो रहे थे। तभी गांव का मिथिलेश उनके घर में घुस आया और गलत हरकतें करने लगा। महिला ने विरोध किया, पर आरोपी नहीं माना। इसी दौरान पति ओमप्रकाश मौके पर आ गए। उन्होंने आरोपी को घर से निकालने की कोशिश की। जब वह नहीं हटा तो 112 डायल कर पुलिस को बुलाया। पुलिस को आता देख आरोपी भाग गया। पीड़िता शिकायत करने लालगंज थाने पहुंची, महिला को पुलिस ने हिरासत में लेकर शांतिभंग में चालान कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

'आस-पास के लोगों का जीवन हुआ मुहाल

मीरजापुर। नगर के कटरा कोतवाली क्षेत्र के शुक्लहां मोहल्ले में भी धड़ल्ले से जुआ खेला जा रहा है। कुछ सुसंगठित लोगों द्वारा हेरोइन गांजा और अवैध शराब बिक्री के साथ इन दिनों जुएं का अड्डा चलाया जा रहा है। दबी जुबान लोगों का कहना है कि मौर्या हार्डवेयर वाली गली के अंदर पीछे खेत के बीच स्थित एक कुएं के पास जुआड़ियों का जमावड़ा एक सप्ताह से लग रहा है। इससे आसपास के लोगों का जीवन जहां कठिन हो चला है वहीं जुआड़ियों और नशेड़ियों के जमघट से मोहल्ले के लोग भी तस्त्र हैं। बताया जा रहा है कि शाम ढ़लते ही मुख्य सड़क से लेकर गली और नाले से लेकर खेतों–झाड़ियों में जमावड़ा लगने लगता है। वहीं दूसरी ओर शुक्लहां मोहल्ले में अल सुबह ही शराब की बिक्री शुरू हो जाती है। जो दुकान बंद होने के निर्धारित समय के बाद देर रात तक सड़क पर युवाओं के झुंड से लेकर शराब दुकान से कुछ दूर पर घरों और कुछ दुकानों के अंदर से बेचा जाता है। जिसके चलते शाम ढ़लते ही इस मार्ग से लोगों का चलना भी कठिन हो जाता है। मजेध्की बात से पुलिस की मुस्तैदी के बाद भी शराब बिक्री में लगे लोगों का जरा भी भयभीत नहीं देखा जाता है।

पॉक्सो एक्ट के दोषी को 20 साल की कैद की सजा, 1. 10 लाख रुपये का लगा जुर्माना

कुशीनगर, (आरएनएस)। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी के बाद पॉक्सो एक्ट के एक मामले में दोषी को 20 वर्ष के कारावास और कुल 1.10 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। अपर सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कुशीनगर की अदालत ने पर्याप्त साक्ष्यों के आध ार पर यह फैसला सुनाया।पुलिस के अनुसार हाटा कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या 86ध्2024 में भारतीय दंड संहिता की धारा 377, 506 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5ध6 के तहत मामला दर्ज था। प्रकरण में पिपरा निवासी सुलेमान अली पुत्र महजीद मियां के विरुद्ध स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल और अपर जिला शासकीय अधिवक्ता की ओर से प्रभावी पैरवी की गई। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आध ार पर अदालत ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कारावास और 1,10, 000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

एमएलसी खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 एवं विधानसभा निर्वाचन-2027 से संबंधित शिकायतें कंट्रोल रूम में दर्ज करा सकेंगे

आजमगढ़, (आर एन एस)उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन–2026 एवं विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कलेक्ट्रेट, आजमगढ़ स्थित तृतीय तल पर स्थापित निर्वाचन शिकायत निस्तारण कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर उसे सक्रिय करा दिया है।निर्वाचन संबंधी किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए कंट्रोल रूम के टेलीफोन नंबर 05462–246398, 05462–297551, 05462–297558 तथा मोबाइल नंबर 9454417172 जारी किए गए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उक्त कंट्रोल रूम में गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन सहित विधानसभा निर्वाचन से संबंधित सभी प्रकार की शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। प्राप्त शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेते हुए नियमानुसार उनके निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से निर्वाचन कार्यों में लगे सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से प्राप्त शिकायतों का भी निस्तारण किया जाएगा।

मतदाता सूची में विकास यादव नाम के 10 मतदाता मिले, जांच में सभी अलग-अलग व्यक्ति

आजमगढ़ (आरएनएस)जनपद की मतदाता सूची में विकास यादव नाम के 10 मतदाताओं के दर्ज होने का मामला सामने आने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर विस्तृत जांच की जा रही है। जिला सूचना कार्यालय, आजमगढ़ की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, म्त्व्छमज पोर्टल पर हिंदी में एक ही नाम के 10 मतदाता प्रदर्शित होने के बाद मतदाता सूची में एक ही व्यक्ति का नाम कई स्थानों पर दर्ज होने की आशंका जताई गई थी।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में संबंधित सभी 10 मतदाताओं के विवरणों का सत्यापन किया गया। जांच के दौरान म्त्व्छमज पोर्टल पर उपलब्ध अंग्रेजी में दर्ज नाम, फोटो और अन्य जानकारियों का मिलान किया गया।

मेरे रहते बेटियों पर बुरी नजर डालने वाला सुरक्षित नहीं रहेगा रू ठश्र विधायक रत्नाकर मिश्रा का बड़ा बयान

मीरजापुर। बीजेपी नगर विधायक का बेटियों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है। दरअसल, शनिवार की रात नगर के एक लॉन में आयोजित गरबा–डांडिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बेटियों की सुरक्षा को लेकर कड़ा संदेश दिया।अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि ष्हमारे रहते अगर कोई भी हमारी बेटियों पर आंख उठाकर भी देखेगा, तो वह सुरक्षित नहीं रहेगा। बेटियों की सुरक्षा और सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता है।ष कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता रजत बेदी भी मौजूद रहे। उनके आने की खबर से गरबा–डांडिया देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी लॉन में पहुंचे थे। देर रात तक चले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दूसरी ओर बीजेपी विधायक के बयान को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है तो वहीं बेटियों की सुरक्षा को लेकर विध

डैरेन सैमी ने वेस्टइंडीज के भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज ड्रा कराने पर जताई खुशी

नई दिल्ली,। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ हाल ही में हुई टी–20 सीरीज में टीम के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया है। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 5वें और अंतिम मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद सीरीज 2–2 से ड्रॉ पर समाप्त हो गई। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैमी ने कहा, यह सभी टीमों के प्रदर्शन का सही प्रतिबिंब है, खासकर हमारे खिलाड़ियों का।इससे पहले, वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर 3 द्विपक्षीय टी–20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली थीं, जिनमें से सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा था।इन सीरीज के दौरान खेले गए 7 मैचों में से वे सिर्फ एक मैच ही जीत पाए थे।हालांकि, इस बार वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कड़ी टक्कर दी, जिसे सैमी ने अपने लक्ष्यों की ओर एक बड़ा कदम करार दिया है।सैमी ने कहा, हम जीतना चाहते थे क्योंकि भारत में हमने ऐसा बहुत समय से नहीं किया है। मुझे लगता है कि ट्रॉफी हमारे पक्ष में है क्योंकि 2023 में जब हम खेले थे, तो हमने घरेलू मैदान पर 3–2 से जीत हासिल की थी।सैमी को उम्मीद है कि मैदान पर प्रगति वेस्टइंडीज क्रिकेट को वित्तीय स्थिरता प्रदान कर सकती है। 1997 में आईसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के वित्तीय मॉडल को बदलने से वेस्टइंडीज बोर्ड खासा प्रभावित हुआ है।सैमी ने कहा कि वेस्टइंडीज क्रिकेट न केवल इस क्षेत्र के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अतीत की उन टीमों की कहानियों को याद किया, जिन्होंने महीनों तक दौरे किए, वार्म–अप मैच खेले, अपने प्रदर्शन और अपने द्वारा बनाए गए प्रशंसक वर्ग के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है,

भुवनेश्वर कुमार ने लगभग 4 साल बाद की टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी, बनाया ये दिलचस्प रिकार्ड

नईदिल्ली,। भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच सीरीज का 5वां और आखिरी टी–20 मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत की पहली पारी के दौरान बारिश का खलल देखने को मिला और मैच संभव नहीं हो सका। इस मुकाबले के जरिए भुवनेश्वर कुमार ने वापसी की। वह टी–20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक मैचों के अंतराल के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले खिलाड़ी बने। आइए इस बारे में जानते हैं।भुवनेश्वर ने 3 साल और 340 दिन के अंतराल में 106 मैचों के बाद टी–20 अंतरराष्ट्रीय में वापसी की।इससे पहले उन्होंने नवंबर 2022 में अपना पिछला टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भुवनेश्वर ने खलील अहमद का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 104 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अंतराल पर वापसी की थी।

खलील ने नवंबर 2019 से जुलाई 2024 में (4 साल और 237 दिन) भारतीय टीम में वापसी की थी।भारत के लिए दिनों के हिसाब से सबसे लंबे अंतराल का रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम है। उन्होंने 7 साल और 57 दिनों (12 मई, 2010 से 8 जुलाई, 2017) की अवधि के दौरान 56 मैच मिस किए थे।भुवनेश्वर ने नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।भुवनेश्वर ने 88 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद 23.10 की औसत से 90 विकेट लिए हैं। इस बीच उनकी इकॉनमी रेट 7 से नीचे (6.96) रही है।अपने करियर में उन्होंने 2 पारियों में 5 विकेट हॉल भी लिए हैं। वह भारत की ओर से टी–20 अंतरराष्ट्रीय में फिलहाल 7वें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।



शुभमन गिल का रणजी ट्रॉफी में वापसी पर निराशाजनक रहा प्रदर्शन, जानिए कितने रन बनाए

नईदिल्ली,। भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की रणजी ट्रॉफी में बहुप्रतीक्षित वापसी रविवार को बेहद निराशाजनक रही। वह न्यू चंडीगढ़ के न्यू पीसीए स्टेडियम में छत्तीसगढ़ क्रिकेट टीम के खिलाफ पंजाब क्रिकेट टीम की ओर से खेल रहे थे। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए गिल 5 गेंदों का सामना करने के बाद बाएं हाथ के स्पिनर अजय मंडल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले केवल एक रन ही बना सके।

मंडल की सीधी गेंद पर गिल क्लीन बोल्ड हो गए। गेंद उनके बल्ले और पैड के बीच से निकलकर बीच के स्टंप पर जा लगी।वह रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में नहीं खेल पाए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के 6 सप्ताह के दौरे से पहले फॉर्म वापसी के लिए उन्होंने दूसरे दौर में वापसी की।गिल इस दौरे पर 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करेंगे, जो वनडे विश्व कप 2027 की तैयारियों का हिस्सा है।भले ही गिल छत्तीसगढ़ के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।क्रिकइंफो के अनुसार, गिल इस प्रारूप में अपना 74वां मैच खेल रहे हैं और उन्होंने लगभग 50 की शानदार औसत से 5,752 रन बनाए हैं। उनके नाम 20 शतक और 21 अर्धशतक हैं।उनके 3,043 रन भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 43.47 की औसत से आए हैं।



कैंसर की दवाएं होंगी अधिक किफायती, सरकार ने ट्रेड मार्जिन पर लगाई सीमा

नई दिल्ली । कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सरकार ने 137 गैर–अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत पर सीमित कर दिया है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के इस फैसले से कई कैंसर की दवाओं की कीमत 70 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। यह कदम रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्युटिकल्स विभाग के तहत ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन (टीएमआर) का हिस्सा है, जिसका मकसद वितरण शृंखला में अत्यधिक मार्जिन को रोकना है। सभी निर्माताओं को गजट अधिसूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर एनपीपीए को अपनी संशोधित कीमतों के बारे में सूचित करना होगा। संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से प्रभावी होंगी। निर्माताओं को अपनी वेबसाइट पर मूल्य सूची प्रदर्शित करनी होगी और सभी खुदरा विक्रेताओं और अस्पतालों को इसकी जानकारी देनी होगी। सभी खुदरा विक्रेता और अस्पताल 9 नवंबर 2026 से कम कीमतें वसूल करेंगे और अपनी फार्मेसियों में संशोधित कीमतों को प्रदर्शित करेंगे। अस्पताल भी अपनी वेबसाइटों पर संशोधित कीमतों को प्रमुखता से दिखाएंगे। उपभोक्ता संशोधित कीमतों की जांच के लिए फार्मा सही दाम ऐप और एनपीपीए वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।सरकार का कहना है कि कैंसर रोधी दवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाकर यह पहल मरीजों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ को कम करने में मदद करेगी। 137 चिह्नित दवाओं में 20 से अधिक प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली इम्यूनोथेरेपी दवाएं, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली डेनोसुमैब, कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिया को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पेगफिलग्रास्टिम और कोलन, अंडाशय और सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए स्वीकृत बेवासिजुमैब शामिल हैं।इस अधिसूचना के साथ पेम्ब्रोलिजुमैब, डुरवलुमैब और ओसिमर्टिनिब जैसी व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली कैंसर रोधी दवाओं की एमआरपी मरीजों के लिए अधिक सुलभ होने की उम्मीद है। यह हस्तक्षेप एनपीपीए के 2019 के पायलट अभ्यास पर आधारित है, जिसके तहत 42 कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत पर सीमित किया गया था। उस अभ्यास के बाद गैर–अनुसूचित कैंसर दवाओं के 526 ब्रांडों की एमआरपी 90 प्रतिशत तक कम हो गई थी।



श्रेयस अय्यर ने की शाई होप के दमदार प्रदर्शन की तारीफ, दिया बड़ा अहम बयान

नईदिल्ली,। भारतीय क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के बीच खेली गई 5 मैचों की टी–20 सीरीज 2–2 की बराबरी पर समाप्त हो गई है। बेंगलुरु में खेला गया 5वां और निर्णायक मुकाबला भारी बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। इस सीरीज में कैरेबियन कप्तान शाई होप एक अहम खिलाड़ी बनकर उभरे, जिन्होंने दो निर्णायक शतक लगाकर सीरीज के नतीजे पर असर डाला। सीरीज के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी होप के शानदार प्रदर्शन की सराहना की है।

श्रेयस ने स्वीकार किया कि दूसरे और चौथे मैच में भारत की गेंदबाजी बेहतर हो सकती थी और यही वो मैच थे जिनमें भारत को हार का सामना करना पड़ा।



उन्होंने बल्लेबाजी प्रदर्शन की प्रशंसा की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि क्रियान्वयन में वे असफल रहे।उन्होंने कहा, जहां जिसका श्रेय बनता है, वहां निश्चित रूप से दिया जाना चाहिए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने असाधारण खेल दिखाया और विशेष रूप से शाई होप ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया।होप ने अपनी सफलता में आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, जब भी मैं बल्लेबाजी करने उतरता हूं, भले ही मैंने पिछली 2, 3, 4 पारियों में कोई रन न बनाया हो, फिर भी मुझे विश्वास रहता है कि मैं काम पूरा कर सकता हूं।उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपने दृष्टिकोण के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में तटस्थ रहने और परिणाम देने की अपनी क्षमता पर भरोसा करने पर भी जोर दिया।

होप ने 4 पारियों में 261 रन बनाए, जिनमें से 204 रन 2 मैचों में सिर्फ 95 गेंदों पर बनाए।

टी–20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए होप को श्प्लेयर ऑफ द सीरीजश चुना गया।

वनडे सीरीज में भी होप ने 3 मैचों में 2 शतक बनाए थे। उनके साथी खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड ने भी वेस्टइंडीज की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया, ।

अगला हफ्ता शेयर बाजार के लिए बेहद अहम, तिमाही नतीजे, एफआईआई निवेश और वैश्विक संकेत तय करेंगे दिशा

मुंबई । अगला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बड़ा अहम होने वाला है। सितंबर तिमाही (क्यू2) के नतीजों, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश रुख, वैश्विक बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। निवेशक यह आकलन करेंगे कि हालिया मजबूत तेजी के बाद बाजार अपनी गति को बरकरार रख पाता है या नहीं।

बीते सप्ताह की बात करें तो, निफ्टी 50 में 2.77 प्रतिशत और सेंसेक्स में 3.11 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस तेजी को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में नई खरीदारी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड के दबाव में कमी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी का समर्थन मिला।

शुक्रवार को भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज की, जिससे हालिया करेक्शन के बाद बाजार में रिकवरी की उम्मीदें और मजबूत हुईं। सेंसेक्स 413.66 अंक यानी 0.56 प्रतिशत बढ़कर 74,729.27 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 में 148.80 अंकों या 0.65 प्रतिशत की तेजी आई और यह 23,146.15 के स्तर पर बंद हुआ।



पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 2,256.94 अंकों और निफ्टी में 625.7 अंकों की बढ़त दर्ज की गई।अब बाजार प्रतिभागियों की नजर सितंबर तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक यह देखेंगे कि हालिया तेजी केवल आईटी शेयरों तक सीमित रहती है या अन्य सेक्टरों में भी फैलती है। बैंकिंग, उपभोक्ता और औद्योगिक कंपनियों के नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर विशेष नजर रहेगी, ताकि राजस्व वृद्धि, मार्जिन में सुधार और मांग की स्थिति का आकलन किया जा सके।

आने वाली तिमाहियों के लिए कंपनियों द्वारा जारी मार्गदर्शन (गाइडेंस) भी निवेशकों की धारणा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मजबूत नतीजे और सकारात्मक कारोबारी संकेत बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि कमजोर प्रदर्शन या सतर्क रुख आगे की तेजी को सीमित कर सकता है।बाजार की दिशा तय करने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख भी अहम रहेगा। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली में कुछ कमी आई है, लेकिन यदि यह सिलसिला जारी रहा तो बाजार पर दबाव बन सकता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी बाजार को सहारा दे सकती है। वैश्विक बॉन्ड यील्ड और मौद्रिक नीति को लेकर उम्मीदें भी निवेशकों के फोकस में रहेंगी।

यदि बॉन्ड यील्ड में फिर से तेजी आती है तो इक्विटी बाजार के मूल्यांकन पर दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि ऐसे में फिक्स्ड इनकम निवेश अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इसके विपरीत, यील्ड में नरमी जोखिम लेने की क्षमता को बढ़ा सकती है और शेयर बाजार में निवेश को प्रोत्साहित कर सकती है। कच्चे तेल की कीमतें और भू–राजनीतिक घटनाक्रम भी अगले सप्ताह महत्वपूर्ण रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती है, महंगाई पर दबाव डाल सकती है और कंपनियों के मार्जिन को प्रभावित कर सकती है।

सोना इस हफ्ते तीन हजार रुपए और चांदी दस हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली ,,। सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशरू 3,000 रुपए और 10,000 रुपए से अधिक घट गया। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 3,004 रुपए कम होकर 1,46,426 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,49,430 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,34,126 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,36,878 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,09,820 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,12,073 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,45,564 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 12 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 1,48,425 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 10,191 रुपए कम होकर 2,10,918 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,21,109 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 12 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,20,874 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 15 अक्टूबर को सुबह के सत्र में 2,07,098 रुपए प्रति किलो देखा गया।



आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,186 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 57 डॉलर प्रति औंस के करीब था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण डॉलर का महंगा होना है, जिससे दोनों कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ रहा है।

टी 20 3-0 से क्लीन स्वीप के लक्ष्य के साथ उतरेगी भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में 3–0 से क्लीन स्वीप करने के लक्ष्य से उतरेगी। शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर भारत श्रृंखला में 2–0 की अजेय बढ़त बना चुका है। कप्तान स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा की वापसी और निक्की प्रसाद के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम काफी उत्साहित है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लय में लौटने के बाद उत्साह से लबरेज भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने और 3–0 से क्लीन स्वीप करने का लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरेगी। स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद भारत पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तब संकट में पड़ गया था जब उसने अपने चार विकेट 19 रन पर गंवा दिए थे। भारत हालांकि दीप्ति शर्मा और निक्की प्रसाद की अच्छी बल्लेबाजी से यह मैच जीतने में सफल रहा था। सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण पर 20 वर्षीय निक्की पहले मैच में 39 रन बनाकर नाबाद रहीं। उन्होंने दूसरे मैच में सात रन देकर दो विकेट लिए और इस तरह से अपनी ऑलराउंड क्षमता का अच्छा नमूना पेश किया। दूसरे मैच में मंधाना ने 25 गेंदों पर नाबाद 47 रन जबकि शेफाली वर्मा ने केवल 25 गेंदों पर 55 रन बनाए। इससे भारत ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नौ विकेट से जीत हासिल कर 2–0 की अजेय बढ़त बना ली। मंधाना का फॉर्म में लौटना भारत के लिए बड़ा सकारात्मक पहलू है क्योंकि वह फरवरी में होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी से पहले लय बनाए रखना चाहेंगी।



कच्चे तेल का दाम 2027 तक कम होकर 80 डालर प्रति बैरल रहने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली ,। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का दाम कम होकर 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है। इसकी वजह मध्य पूर्व से आपूर्ति बहाल होना और बाजार में मांग के मुकाबले आपूर्ति अधिशेष में जाने की संभावना है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई। गोल्डमैन सैश की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका–इजरायल–ईरान संघर्ष के फिर से तेज होने से कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।अपने निकट–अवधि के अनुमान में बदलाव करते हुए, निवेश बैंक ने दिसंबर 2026 में बेंचमार्क ब्रेंट की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले 85 डॉलर प्रति बैरल था। वहीं, 2027 में इसके औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद जताई है।मध्य पूर्व से तेल निर्यात में सुधार, फारस की खाड़ी के बाहर उत्पादन में वृद्धि और मांग में कमी के कारण वैश्विक स्तर पर आपूर्ति की कमी काफी कम हो गई है। जैसे–जैसे निर्यातकों ने संघर्ष के माहौल में खुद को ढाला और परिवहन क्षमता बढ़ाई, सितंबर के अंत तक फारस की खाड़ी से तेल का निर्यात वापस 2025 के औसत स्तर के करीब पहुंच गया। हालांकि, आपूर्ति से जुड़े जोखिमों के कारण कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। निकट–अवधि की डिलीवरी के लिए फिजिकल ब्रेंट क्रूड की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं, जबकि बेंचमार्क ब्रेंट फ्यूचर्स हाल ही में 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहे हैं।निवेश बैंक के अनुसार, सितंबर में बाजार लगभग संतुलित था। मांग, आपूर्ति से केवल 0.3 मिलियन बैरल प्रति दिन अधिक थी, जबकि मार्च में यह कमी 7.2 मिलियन बैरल प्रति दिन तक थी। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2026 की चौथी तिमाही में वैश्विक तेल बाजार अधिशेष की स्थिति में आ जाएगा और 2027 में भी यही स्थिति बनी रहेगी, जिससे भविष्य में कीमतें कम होने की संभावना है। वर्तमान में कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 25 डॉलर प्रति बैरल का रिस्क प्रीमियम शामिल है।ऐसा इसलिए है क्योंकि संघर्ष बढ़ने पर आपूर्ति में रुकावट आ सकती है और मौजूदा स्टॉक का और अधिक इस्तेमाल करना पड़ सकता है। मांग के मोर्चे पर, चीन, मध्य पूर्व और विकसित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में वैश्विक तेल की खपत काफी कमजोर रही है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि जैसे–जैसे रिफाइंड तेल उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी और वे अधिक किफायती होंगे, मांग में धीरे–धीरे सुधार आएगा।



30 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आएगी कीर्ति सुरेश की पहली वेब शृंखला अक्का, राधिका आप्टे भी निभाएंगी अहम भूमिका



राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अब डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी पहली वेब शृंखला श्अक्काच्च में अभिनेत्री राधिका आप्टे भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आध ाारित अपराध–रोमांचक शृंखला है, जिसकी कहानी 1980 के दशक के दक्षिण भारत में बसे एक काल्पनिक शहर पेर्नुरू के इर्द–गिर्द घूमती है। यहां अपराध ा जगत पर ताकतवर महिलाओं का वर्चस्व है। खबरों के मुताबिक, इस शृंखला का प्रीमियर 30 अक्टूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर होगा।श्अक्काच्च की कहानी गैंगस्टर रानियों के एक शक्तिशाली समूह पर केंद्रित है, जिन्होंने शहर के अपराध जगत में अपना साम्राज्य स्थापित कर रखा है। लेकिन एक बाहरी व्यक्ति के आने से उनके वर्चस्व पर खतरा मंडराने लगता है। इसके बाद धोखेबाजी, बदले, सत्ता संघर्ष और अस्तित्व की लड़ाई का सिलसिला शुरू होता है। इस शृंखला का लेखन और निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। यह उनके निर्देशन की पहली परियोजना है। कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि तन्वी आजमी और अंशुमान पुष्कर भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगे।

कीर्ति सुरेश के लिए यह परियोजना खास है, क्योंकि इसके माध्यम से वह पहली बार किसी प्रमुख डिजिटल प्रसारण मंच पर अपनी शुरुआत करेंगी। वहीं, कीर्ति और राधिका पहली बार एक साथ अभिनय करती नजर आएंगी। दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसकों को इस नई जोड़ी से काफी उम्मीदें हैं। अक्काच्च की घोषणा नवंबर 2023 में की गई थी। इसके बाद से इस परियोजना पर काम चल रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, श्बॉलीवुड हंगामाच्च ने शृंखला के 30 अक्टूबर 2026 को प्रसारित होने की जानकारी दी है। हालांकि, इसकी रिलीज से जुड़ी अंतिम जानकारी के लिए आधिकारिक घोषणा को ही निर्णायक माना जाएगा। इस शृंखला का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने किया है। कहानी में महिलाओं के नेतृत्व वाले अपराध साम्राज्य, सत्ता की खींचतान, हिंसा, बदले और वर्चस्व की लड़ाई को प्रमुखता दी गई है।अक्का की सबसे खास बात इसका कथानक है, जिसमें अपराध की दुनिया को ताकतवर महिलाओं के नजरिये से दिखाया जाएगा। पेर्नुरू में स्थापित महिला गिरोह का साम्राज्य बाहरी चुनौती के कारण संकट में पड़ जाता है। इसके बाद अपने प्रभाव और सत्ता को बचाने के लिए संघर्ष तेज हो जाता है।

अल्लारी नरेश की भक्ति फिल्म कनक दुर्गा का पहला पोस्टर जारी, भगवा वस्त्रों में भक्तिभाव से नृत्य करते नजर आए अभिनेता

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लारी नरेश की आगामी भक्ति प्रधान फिल्म कनक दुर्गा का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। पोस्टर में अभिनेता भगवा वस्त्र पहने भक्ति भाव में डूबकर नृत्य करते दिखाई दे रहे हैं। उनका यह रूप आस्था, आध्यात्मिकता और देवी कनक दुर्गा की दिव्य उपस्थिति से प्रेरित कहानी की झलक पेश करता है। नवरात्र और दशहरा उत्सव के अवसर पर जारी किए गए इस पोस्टर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में अल्लारी नरेश के साथ काजल चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन प्रदीप मद्दाली ने किया है, जबकि बीवीएस रवि ने कहानी लिखने के साथ इसके निर्माण की जिम्मेदारी भी संभाली है। बिड़ला स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और टेम्पल टाउन पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में भक्ति के साथ एक्शन, भावनात्मक घटनाक्रम और संगीत का मेल देखने को मिलेगा। कनक दुर्गा में देवी के प्रति श्रद्धा और आध्यात्मिक आस्था को केंद्र में रखा गया है। फिल्म निर्माताओं का उद्देश्य धार्मिक भावनाओं को मनोरंजक कहानी, प्रभावशाली दृश्यों और संगीत के माध्यम से बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाना है। पहले पोस्टर में अल्लारी नरेश का भक्तिपूर्ण अंदाज फिल्म की विषयवस्तु की ओर संकेत करता है। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी प्रसिद्ध संगीतकार थमन एस को सौंपी गई है। निर्माताओं ने इसे अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की योजना बनाई है, ताकि विभिन्न भाषाओं के दर्शक भी इस कहानी से जुड़ सकें।

फिलहाल श्कनक दुर्गाच्च का निर्माण कार्य जारी है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को पहले दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद यह विशेष रूप से जी5 तेलुगु पर प्रसारण के लिए उपलब्ध होगी। आगे जारी होने वाली झलकियों



फिल्म निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी है कि इसका पहला गीत जल्द जारी किया जाएगा। अब दर्शकों को फिल्म के संगीत, अन्य कलाकारों, प्रदर्शन की तारीख और का इंतजार है। अल्लारी नरेश को भक्ति प्रधान भूमिका में देखने के लिए उनके प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है।

मटका किंग के दूसरे सीजन में और प्रभावशाली होगी गुलरुख, कृतिका कामरा फिर निभाएंगी अहम भूमिका



अभिनेत्री कृतिका कामरा हमेशा से ऐसे महिला किरदार निभाना पसंद करती आई हैं, जिन्हें किसी एक पहचान, विचार या दायरे में सीमित नहीं किया जा सकता। उनके लिए ऐसे किरदार ख्ास हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई, अपने फैसले लेने की स्वतंत्रता और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की आंतरिक शक्ति दिखाई देती है। अपने अभिनय सफर में कृतिका ने ऐसी महिलाओं की कहानियों को प्राथमिकता दी है, जो परंपरागत सोच को चुनौती देती हैं और सामाजिक तथा भावनात्मक जटिलताओं के बीच अपनी पहचान बनाने का प्रयास करती हैं।इसी कड़ी में उनकी चर्चित शृंखला श्मटका किंग्च्च का गुलरुख किरदार भी शामिल है। पहले सीजन में गुलरुख की भूमिका के लिए सराहना हासिल करने के बाद कृतिका अब दूसरे सीजन में एक बार फिर इस किरदार के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी। आगामी सीजन में गुलरुख की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होने वाली है।

कृतिका के अनुसार, गुलरुख की सबसे खास बात यह है कि उसकी ताकत को किसी पारंपरिक रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है। वह ऐसी महिला है, जिसका व्यक्तित्व उसकी परिस्थितियों से प्रभावित होता है, लेकिन उन्हीं परिस्थितियों के बीच वह अपने फैसले लेने, अपनी अहमियत पहचानने और अपनी अलग पहचान बनाने की क्षमता भी विकसित करती है।

गुलरुख के किरदार के प्रति अपने आकर्षण के बारे में कृतिका कामरा कहती हैं कि वह हमेशा ऐसी महिलाओं की भूमिकाओं की ओर खिंची चली आई हैं, जिनका व्यक्तित्व जटिल होता है और जिनमें कई तरह की भावनाएं तथा विरोधाभास मौजूद होते हैं।उनके मुताबिक, गुलरुख में कमजोरी, महत्वाकांक्षा, समझदारी और मजबूती जैसे अलग–अलग गुण एक साथ दिखाई देते हैं। यही विविधता उसके व्यक्तित्व को गहराई देती है और उसे अभिनेत्री के लिए खास बनाती है। कृतिका का मानना है कि किसी महिला किरदार की वास्तविक पहचान केवल उसकी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों के बीच लिए गए उसके फैसलों और उसके बदलते दृष्टिकोण से भी बनती है।कृतिका ने अपने अभिनय जीवन में ऐसे किरदारों को चुना है, जिनकी भावनात्मक और मानसिक दुनिया उनकी बाहरी परिस्थितियों से कहीं अधिक व्यापक होती है। गुलरुख भी इसी तरह का किरदार है। इसके माध्यम से अभिनेत्री को ऐसी महिला की यात्रा प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, जो धीरे–धीरे अपनी ताकत को पहचानती है और समय के साथ अपनी क्षमताओं तथा निर्णयों को देखने का नजरिया बदलती है।कृतिका के अनुसार, गुलरुख की असली शक्ति इस बात में नहीं है कि वह सबसे अधिक बोलती है या हर परिस्थिति में अपना प्रभाव दिखाती है। उसकी मजबूती इस बात में निहित है कि वह अपने आसपास की दुनिया को किस तरह समझती है, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को कैसे ढालती है और धीरे–धीरे अपनी अहमियत तथा अपने निर्णयों के महत्व को किस तरह पहचानने लगती है।अभिनेत्री का मानना है कि गुलरुख के इसी स्वभाव के कारण उसकी कहानी दिलचस्प बनती है। उसका सफर केवल परिस्थितियों से जूझने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वयं को समझने और अपने जीवन पर अपना अधिकार स्थापित करने की प्रक्रिया भी है।श्मटका किंग्च्च के दूसरे सीजन में गुलरुख का व्यक्तित्व और अधिक विकसित होता दिखाई देगा। कृतिका के मुताबिक, इस बार गुलरुख अपने फैसलों को लेकर पहले से अधिक स्पष्ट होगी। उसे बेहतर ढंग से समझ आने लगेगा कि वह अपनी जिंदगी से क्या चाहती है और अपने भविष्य को किस दिशा में ले जाना चाहती है।

इस बदलाव के साथ कहानी में उसकी भूमिका और महत्व भी बढ़ेगा। वह केवल अपने आसपास घटने वाली घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने वाली महिला नहीं रहेगी, बल्कि अपने निर्णयों के माध्यम से परिस्थितियों और अपने आसपास की दुनिया को प्रभावित करने का प्रयास भी करेगी।कृतिका का कहना है कि गुलरुख के व्यक्तित्व में आने वाला यह बदलाव दर्शकों के लिए खास होगा। दूसरे सीजन में उसका आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और अपने जीवन को लेकर स्पष्टता उसकी यात्रा को एक नया आयाम देंगे।श्मटका किंग्च्च के दूसरे सीजन की तैयारी के साथ गुलरुख का किरदार एक बार फिर चर्चा में है।

अभिनेत्री आफिया सैयद ने प्रेम कीटाणु से बालीवुड में किया डेब्यू, अब तेलुगु में जलवे बिखरने के लिए हुई तैयार

अभिनेत्री आफिया सैयद ने हाल ही में प्रेम कीटाणु से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म में सुहानी का किरदार निभाने के बाद आफिया एक और चुनौती के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही एलियास रुक्मिणी से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं, जिसमें वह निथिन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। टॉलीवुड में कदम रखने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि एलियास रुक्मिणी के साथ तेलुगु में डेब्यू करना किसी सपने जैसा लग रहा है।मुरली सर एक बेहतरीन विजनरी हैं, और वह तथा युनानिमस प्रोडक्शंस की टीम सच में कुछ बहुत खास बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। एलियास रुक्मिणी को नेचुरल स्टार नानी अपने प्रोडक्शन हाउस युनानिमस प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि निथिन के साथ काम करना और नानी सर का प्रोड्यूसर होना, सच में बहुत बड़े सम्मान की बात है।हम इस फिल्म को पूरे दिल से बना रहे हैं और 4 दिसंबर को इसे दुनिया के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नानी और दीप्ति गंटा द्वारा प्रोड्यूस की गई और मुरलीकांत देवसोथ द्वारा निर्देशित यह तेलुगु ड्रामा फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। हाल ही में एक्ट्रेस रवीना टंडन ने प्रेम कीटाणु के साथ इंडस्ट्री में कदम रखने पर आफिया सैयद की तारीफ की और खुद को सबसे गर्व करने वाली मौसी बताया।

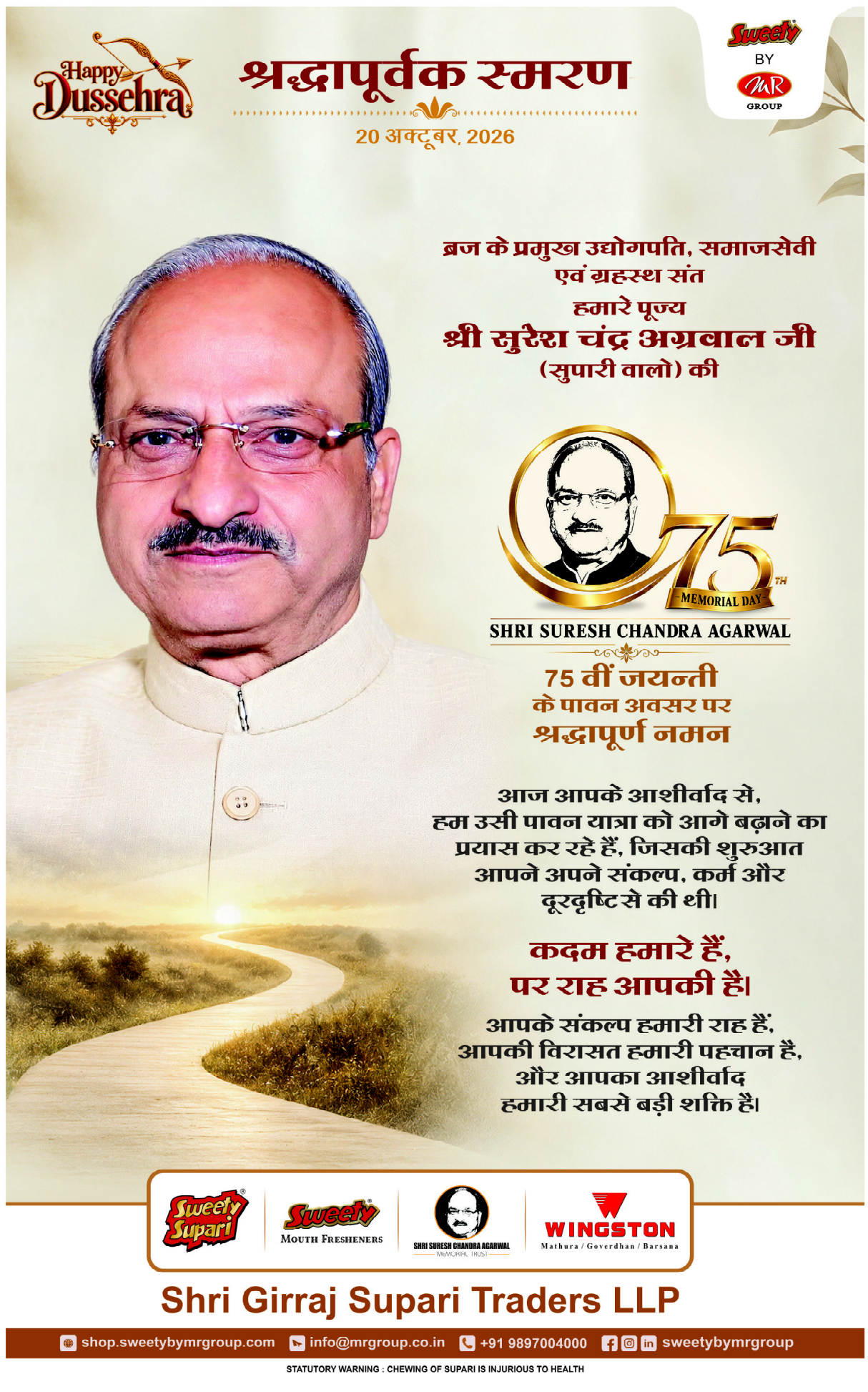

दृश्यम 3 बनेगी साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म? बार्डर 2 को पीछे छोड़ने की तैयारी

अभिनेता अजय देवगन की अपराध–रोमांचक फिल्म दृश्यम 3 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक 336.60 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई कर ली है। हालांकि, रिलीज के तीसरे सप्ताह में जेलर 2, नई नवेली, प्रहार और राणाबाली जैसी फिल्मों से मुकाबले के कारण इसके प्रदर्शन पर कुछ असर पड़ा है। सिनेमाघरों में फिल्म के प्रदर्शन की संख्या घटने के साथ इसकी दैनिक कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद फिल्म प्रतिदिन करोड़ों रुपये का कारोबार कर रही है।फिल्म की



मौजूदा कमाई को देखते हुए 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। हालांकि, यदि इसकी कमाई की रफ्तार बनी रहती है, तो यह वर्ष 2026 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है। इसके लिए इसे बॉर्डर 2 के कुल कारोबार को पीछे छोड़ना होगा। दृश्यम 3 ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 3.10 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की। इससे एक दिन पहले, 14वें दिन फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये कमाए थे। इस तरह एक दिन में इसकी कमाई में लगभग 27.06 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।फिल्म का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल शुद्ध कारोबार 336.60 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसका कुल सकल कारोबार 532.39 करोड़ रुपये बताया गया है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।